दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-172 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 16 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जीवन में सबसे बड़ी जीत किसी को हराने में नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर बैठे अहंकार, क्रोध और लालच को हराने में होती है। क्योंकि बाहर की लड़ाइयां केवल शोर पैदा करती हैं,

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

एक हाथ से ताली नहीं बजती : रिश्तों, विवादों और संयम का मनोविज्ञान

मानव जीवन संबंधों की बुनियाद पर टिका हुआ है। जहां रिश्ते हैं, वहां मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब मतभेद अहंकार में बदल जाते हैं, तब वही संबंध टूटने लगते हैं। इसी जीवन सत्य को लोकजीवन की एक छोटी लेकिन अत्यंत गहरी कहावत बखूबी समझाती है– 'एक हाथ से ताली नहीं बजती।' यह केवल बोलचाल की कहावत नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार, सामाजिक संघर्ष और मानसिक परिपक्वता का ऐसा सूत्र है, जो जीवन को टूटने से बचा सकता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज का दौर प्रतिक्रियाओं का दौर बन चुका है। सोशल मीडिया पर कोई कुछ कह दे, तो तुरंत जवाब देना लोग अपनी बहादुरी समझने लगे हैं। परिवारों में छोटी-छोटी बातों पर तकरार हो रही है। सड़क से लेकर संसद तक शब्दों की मर्यादा टूटती दिखाई दे रही है। हर व्यक्ति खुद को सही साबित करने की जिद में है, जबकि सच यह है कि हर विवाद में केवल मुद्दा नहीं, बल्कि अहंकार भी शामिल होता है। यदि कोई व्यक्ति क्रोध में कटु शब्द कहता है और दूसरा उससे अधिक तीखा जवाब देता है, तो विवाद आग की तरह फैलने लगता है। यही वह 'दूसरा हाथ' है, जो ताली बजाने का काम करता है। लेकिन यदि सामने वाला व्यक्ति शांत रह जाए, तो वही विवाद कुछ क्षणों में समाप्त हो सकता है। यह मौन कायरता नहीं, बल्कि आत्मसंयम की सबसे ऊंची अवस्था है।

समाज में अक्सर यह भ्रम पाल लिया गया है कि चुप रहना कमजोरी है। जबकि सच्चाई यह है कि हर व्यक्ति के पास जवाब देने की ताकत होती है, लेकिन हर किसी के पास स्वयं को रोक लेने का धैर्य नहीं होता। प्रतिक्रिया देना आसान है, लेकिन परिस्थिति को समझकर मौन धारण करना अत्यंत कठिन है। यही कारण है कि परिपक्व व्यक्ति हर लड़ाई में उतरने के बजाय यह सोचता है कि कौन-सी लड़ाई लड़ना जरूरी है और कौन-सी छोड़ देना ही बुद्धिमानी है। एक पुरानी कहावत है– 'कीचड़ में पत्थर फेंकोगे, तो छींटे अपने ऊपर भी आएंगे।' आज लोग दूसरों को हराने की कोशिश में स्वयं की गरिमा खोते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर बहसें अब विचारों की नहीं, बल्कि अपमान की प्रतियोगिता बनती जा रही हैं। शब्दों की तलवारें इतनी तेज हो चुकी हैं कि रिश्तों का खून होने लगा है। लोग यह भूल गए हैं कि शब्द वापस नहीं लौटते। एक क्षण का क्रोध वर्षों का संबंध खत्म कर सकता है।

वास्तव में, मौन की शक्ति शब्दों से कहीं अधिक होती है। जब सामने वाले को प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो उसका क्रोध धीरे-धीरे ठंडा पड़ने लगता है। मौन सामने वाले को आत्मचिंतन का अवसर देता है। वह सोचने लगता है कि शायद उसका व्यवहार अनुचित था। यही कारण है कि इतिहास में बड़े-बड़े संघर्ष संवाद और संयम से समाप्त हुए हैं, प्रतिशोध से नहीं।

महात्मा बुद्ध ने कहा था– 'क्रोध को क्रोध से नहीं, बल्कि शांति से जीता जा सकता है।' यदि हर कटुता का उत्तर कटुता से दिया जाए, तो समाज केवल युद्धभूमि बन जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि लोग अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना सीखें। हर बात पर प्रतिक्रिया देना परिपक्वता नहीं होती। कई बार चुप रह जाना ही सबसे बड़ा उत्तर होता है। परिवारों में बढ़ती दूरियों का कारण संवाद की कमी नहीं, बल्कि असंयमित संवाद है। पति-पत्नी, भाई-भाई, मित्र-मित्र–हर कोई सुनने से ज्यादा बोलना चाहता है। लोग यह भूलते जा रहे हैं कि रिश्ते तर्क से नहीं, संवेदना से चलते हैं। कई बार एक पल का धैर्य पूरे जीवन का संबंध बचा लेता है, जबकि एक क्षण का गुस्सा जीवनभर की दूरी बना देता है।

प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है। विशाल वृक्ष तेज आंधी में इसलिए टिके रहते हैं क्योंकि वे झुकना जानते हैं। जो अकड़ जाते हैं, वे टूट जाते हैं। इसी प्रकार जीवन में भी जो व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को नियंत्रित कर लेता है, वही मजबूत कहलाता है। हर बात पर प्रतिक्रिया देना शक्ति नहीं, बल्कि भीतर की अस्थिरता का संकेत है। आज समाज को सबसे अधिक जरूरत सहनशीलता की है। लोग छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते तोड़ने लगे हैं। मित्रता, पारिवारिक संबंध और सामाजिक सौहार्द केवल इसलिए खत्म हो रहे हैं क्योंकि कोई भी 'पहले शांत' नहीं होना चाहता। हर कोई जीतना चाहता है, लेकिन कोई यह नहीं सोचता कि इस जीत में क्या खो जाएगा। यह भी सत्य है कि बिना प्रतिद्वंद्वी के युद्ध संभव नहीं होता। यदि एक व्यक्ति विवाद से हट जाए, तो झगड़ा अपने आप समाप्त हो जाता है। इसलिए कभी-कभी पीछे हट जाना हार नहीं, बल्कि स्वयं को बचा लेना होता है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में अपनी मर्यादा बनाए रखता है, वही वास्तव में विजेता होता है। **अंततः** जीवन की समझ इसी में है कि हम यह पहचान सकें कि कब बोलना है और कब चुप रह जाना है। हर लड़ाई जीतना जरूरी नहीं होता, लेकिन हर रिश्ते को बचाना जरूरी हो सकता है। शब्द कई बार घाव देते हैं, जबकि मौन उन घावों को भरने का समय देता है। इसलिए अगली बार जब कोई विवाद जन्म ले, तो यह याद रखिए– 'ताली बजाने के लिए दो हाथ जरूरी होते हैं, लेकिन उसे रोकने के लिए केवल एक हाथ का रुक जाना ही काफी है।'

अब पेपर लीक पर लगेगी लगाम, 'जीरो टच' सिस्टम लॉन्च

एग्जाम सेंटर पर ही प्रिंट होंगे प्रश्नपत्र, AI से लैस मशीन से निकलेंगे सीलबंद पैकेट

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने के लिए अब परीक्षा व्यवस्था में बड़ा तकनीकी बदलाव किया जा रहा है। परीक्षाओं को सुरक्षित, पारदर्शी और लीक-प्रूफ बनाने के उद्देश्य से 'जीरो टच' सिस्टम लॉन्च किया गया है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहले से भेजने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि परीक्षा शुरू होने से कुछ समय पहले ही एग्जाम सेंटर पर प्रश्नपत्र प्रिंट होंगे। इस नई व्यवस्था में द्व यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस विशेष मशीनों का उपयोग किया जाएगा। ये मशीनें परीक्षा केंद्र पर ही प्रश्नपत्रों को सुरक्षित तरीके से प्रिंट करेंगी और तुरंत सीलबंद पैकेट के रूप में बाहर निकालेंगी। इससे प्रश्नपत्रों को छापने, पैक करने, परिवहन करने और केंद्रों तक पहुंचाने की लंबी प्रक्रिया में होने वाली मानवीय दखलअंदाजी कम होगी। इसी कारण इसे 'जीरो टच' सिस्टम नाम दिया गया है।

पेपर लीक की संभावना कैसे कम होगी

अब तक कई परीक्षाओं में प्रश्नपत्र छपाई प्रेस, पैकिंग, ट्रांसपोर्टेशन, स्ट्रॉन्ग रूम और परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के दौरान लीक होने की आशंका बनी रहती थी। कई मामलों में इसी प्रक्रिया के दौरान पेपर बाहर आने के आरोप लगते रहे हैं। 'जीरो टच' सिस्टम में प्रश्नपत्र का फिजिकल मूवमेंट लगभग खत्म हो जाएगा। जब प्रश्नपत्र पहले से छपा ही नहीं होगा और परीक्षा केंद्र पर ही अंतिम समय में तैयार होगा, तो लीक की संभावना काफी कम हो जाएगी।इस व्यवस्था में इंसानी संपर्क कम होने से पेपर की गोपनीयता मजबूत होगी। साथ ही, AI आधारित मशीन और डिजिटल ट्रैकिंग के कारण हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी। यदि किसी केंद्र पर समय से पहले प्रिंटिंग की कोशिश होती है या तय संख्या से ज्यादा प्रश्नपत्र निकालने का प्रयास किया जाता है, तो सिस्टम तुरंत अलर्ट जारी कर सकता है।

परीक्षार्थियों को मिलेगा भरोसा

पेपर लीक की घटनाओं से सबसे ज्यादा नुकसान ईमानदारी से तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को होता है। कई बार परीक्षा रद्द होने से विद्यार्थियों का समय, मेहनत और मानसिक संतुलन प्रभावित होता है। नई व्यवस्था लागू होने से विद्यार्थियों में परीक्षा प्रणाली के प्रति भरोसा बढ़ेगा। यदि यह सिस्टम प्रभावी ढंग से लागू होता है, तो परीक्षार्थियों को यह भरोसा मिलेगा कि परीक्षा निष्पक्ष तरीके से हो रही है और किसी भी अभ्यर्थी को गलत तरीके से फायदा मिलने की संभावना कम है।

कैसे काम करेगा 'जीरो टच' सिस्टम

इस सिस्टम के तहत प्रश्नपत्रों की डिजिटल कॉपी सुरक्षित सर्वर में रखी जाएगी। परीक्षा से पहले निर्धारित समय पर ही संबंधित परीक्षा केंद्र की मशीन को प्रश्नपत्र डाउनलोड या एक्सेस करने की अनुमति मिलेगी। इसके बाद मशीन प्रश्नपत्र को प्रिंट करेगी और अपने आप पैकेट को सील कर देगी। मशीन से निकलने वाला पैकेट परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों के सामने या निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खोला जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र किसी भी व्यक्ति के हाथ में न आए।द्व आधारित निगरानी के कारण मशीन में हर गतिविधि का रिकॉर्ड रहेगा। किस समय प्रश्नपत्र प्रिंट हुआ, कितनी कॉपियां निकलीं, मशीन किस केंद्र पर एक्टिव हुई और पैकेट कब तैयार हुआ– इन सभी जानकारियों का डिजिटल लॉग तैयार होगा। इससे किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत जांच संभव हो सकेगी।

प्रशासन और परीक्षा एजेंसियों को भी फायदा

इस तकनीक से परीक्षा एजेंसियों का काम भी आसान होगा। प्रश्नपत्रों की छपाई, पैकिंग, सुरक्षा, ट्रांसपोर्टेशन और स्ट्रॉन्ग रूम जैसी व्यवस्थाओं पर होने वाला खर्च और जोखिम कम हो सकता है। साथ ही, हर परीक्षा केंद्र की गतिविधि का डिजिटल रिकॉर्ड होने से जवाबदेही तय करना आसान होगा। अगर कहीं गड़बड़ी होती है तो यह पता लगाया जा सकेगा कि गलती किस स्तर पर हुई। इससे जांच प्रक्रिया भी तेज और पारदर्शी बनेगी।

सुरक्षा के लिए कई स्तरों पर निगरानी

'जीरो टच' सिस्टम में सुरक्षा के कई स्तर रखे जा सकते हैं। इसमें पासवर्ड, ओटीपी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, केंद्र-विशेष अनुमति, समय-आधारित एक्सेस और लाइव मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं।द्व आधारित सिस्टम संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई मशीन निर्धारित समय से पहले एक्टिव होती है, ज्यादा कॉपियां निकालने की कोशिश होती है या सिस्टम में अनधिकृत लॉगिन का प्रयास होता है, तो तुरंत अलर्ट भेजा जा सकता है।

चुनौती भी कम नहीं

हालांकि यह सिस्टम पेपर लीक रोकने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन इसके सफल संचालन के लिए परीक्षा केंद्रों पर मजबूत इंटरनेट, बिजली, प्रशिक्षित स्टाफ और तकनीकी सपोर्ट जरूरी होगा। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में मशीनों की सुरक्षा, रखरखाव और नेटवर्क कनेक्टिविटी भी महत्वपूर्ण चुनौती हो सकती है।इसके अलावा, सिस्टम को हैकिंग और साइबर हमलों से बचाने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा व्यवस्था भी जरूरी होगी। यदि डिजिटल सर्वर या मशीन की सुरक्षा में कमी रही तो नई तरह की तकनीकी गड़बड़ी का खतरा पैदा हो सकता है।

पेपर लीक रोकने की दिशा में बड़ा बदलाव

कुल मिलाकर 'जीरो टच' सिस्टम परीक्षा व्यवस्था में बड़ा तकनीकी सुधार माना जा रहा है। इससे प्रश्नपत्रों की गोपनीयता मजबूत होगी, मानवीय दखल कम होगा और परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सकेगी। पेपर लीक जैसी घटनाओं से न केवल विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते हैं। ऐसे में एग्जाम सेंटर पर ही प्रश्नपत्र प्रिंट करने और AI से लैस मशीनों के जरिए सीलबंद पैकेट तैयार करने की व्यवस्था पेपर लीक पर लगाम लगाने में प्रभावी साबित हो सकती है।

क्या है 'जीरो टच' सिस्टम

यह एक ऐसी तकनीकी व्यवस्था है, जिसमें प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र पर ही मशीन के माध्यम से प्रिंट होता है और सीलबंद पैकेट में तैयार होकर निकलता है। इसमें प्रश्नपत्र को पहले से छापकर केंद्रों तक भेजने की जरूरत नहीं पड़ती।

इसके मुख्य फायदे

प्रश्नपत्र का फिजिकल मूवमेंट कम होगा, पेपर लीक की संभावना घटेगी, हर गतिविधि का डिजिटल रिकॉर्ड रहेगा, AI आधारित निगरानी से संदिग्ध गतिविधियों पर अलर्ट मिलेगा, विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा बढ़ेगा। सबसे बड़ी चुनौती इस सिस्टम को सफल बनाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर बिजली, इंटरनेट, मशीन सुरक्षा, प्रशिक्षित कर्मचारी और मजबूत साइबर सुरक्षा व्यवस्था जरूरी होगी।

अंतरराष्ट्रीय मूर्तिकार नरेश कुमावत से मिले विधायक पितराम सिंह काला, कला एवं नवाचार पर हुई विशेष चर्चा

नई संसद भवन की 'समुद्र मंथन' थीम सहित विश्वस्तरीय कलाकृतियों की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने गुरुग्राम स्थित अंतरराष्ट्रीय डिजिटल मूर्ति निर्माण स्टूडियो का दौरा कर प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच आधुनिक मूर्तिकला, डिजिटल तकनीक, धातु कला तथा त्रि-आयामी कला निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने विधायक काला को नई संसद भवन में स्थापित 'समुद्र मंथन' थीम आधारित भव्य मूर्तियों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्तर की कलाकृतियों की जानकारी दी। उन्होंने विश्व की ऊंची भगवान शिव प्रतिमा निर्माण से जुड़े अनुभव साझा करते हुए बताया कि आधुनिक तकनीक और भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि के समन्वय से कला को वैश्विक पहचान मिल रही है।

विधायक पितराम सिंह काला ने नरेश कुमावत द्वारा कला एवं मूर्तिकला के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान की प्रतिभाएं आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। उन्होंने कहा कि नवीन तकनीक, डिजिटल मूर्ति निर्माण और धातु कला में हो रहे प्रयोग युवाओं के लिए प्रेरणादायी हैं तथा इससे भारतीय कला संस्कृति को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से विश्व मंच तक पहुंचाने में कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे रचनात्मक प्रयास देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर बलवीर सिंह काला, डॉ. विकास काला एवं रणवीर काला भी उपस्थित रहे।

बीदसर की सरकारी स्कूल में मां शारदे के मंदिर में मूर्ति स्थापना समारोह हुआ आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भामाशाह सतवीर गढ़वाल की ओर से अपने पिताश्री रामलाल गढ़वाल की स्मृति में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदसर में विद्या की देवी मां शारदे के मंदिर का निर्माण कार्य करवाया गया। भामाशाह गढ़वाल की ओर से शुक्रवार सतूनाथ महाराज के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान से मां शारदे की मूर्ति स्थापना की गई। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था प्रधान डॉ राजकुमार ने कहा कि विद्यालय में मां शारदे के मंदिर निर्माण से विद्यालय का वातावरण और अधिक सकारात्मक बनेगा। उन्होंने भामाशाह परिवार का आभार जताया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भामाशाह परिवार, विद्यालय स्टाफ, अभिभावक ग्रामीण जन, विद्यालय विकास समिति के सदस्य व विधार्थी मौजूद थे।

मुंडावर थाना परिसर में बड़ा हादसाः मालखाने में अचानक चली गोली, हेड कांस्टेबल हरपाल गंभीर घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । मुंडावर पुलिस थाना परिसर में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। थाना स्थित मालखाने में अचानक गोली चलने से हेड कांस्टेबल हरपाल के सिर में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

साथी पुलिसकर्मी तुरंत घायल हेड कांस्टेबल को बहरोड़ स्थित पार्क हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की टीम द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह और डीएसपी लालसिंह यादव मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। एएसपी जया सिंह बाद में थाने से अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मालखाने में गोली कैसे चली। बताया जा रहा है कि हेड कांस्टेबल हरपाल तीन दिन की छुट्टी के बाद आज ही ड्यूटी पर लौटे थे। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। अधिकारियों ने मालखाने को सील कर दिया है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

बसई विद्यालय में खेल सामग्री व झूलों का लोकार्पण, जिला कलेक्टर ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

क्षेत्र के बसई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को खेल सामग्री एवं विभिन्न झूलों के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झुंझुनूं जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए लगाए गए झूले भामाशाह एवं आईएएस अधिकारी विनीत मीणा के सौजन्य से स्थापित किए गए हैं। समारोह के दौरान जिला कलेक्टर ने झूलों और खेल सामग्री का लोकार्पण कर विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में सीबीईओ अनुकंपा अरडावतिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य अन्नु सैनी ने की। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

चील को मिला चकमा

बहुत दिन हुए एक सीधा-सादा, नाटा और बदसूरत देहाती रहता था। उसका नाम था- हाजी बग़लोल। उसकी अजीब-सी बकरे जैसी दाढ़ी थी, जिसकी वजह से वह बिल्कुल बकरे जैसा ही दिखता था। उसने अपनी सारी ज़िन्दगी गांव में ही बिताई थी।

एक बार वह अपनी मौसी के घर दूसरे गांव गया। उसकी मौसी ने उसे कलेजी खाने को दी, जो उसे बहुत स्वादिष्ट लगी। उसने अपनी मौसी से कलेजी बनाने की विधि पूछी। मौसी ने विधि एक कागज़ पर लिखकर हाजी को दे दी।

हाजी बगलोल ने कागज को बहुत सम्भालकर अपनी जेब में रख लिया। रास्ते में उसने एक किलो कलेजी खरीदी और उसे पॉलीथिन में डालकर हाथ में लिए अपने गांव की तरफ जा रहा था कि एक चील ने वह पॉलीथिन देख लिया। बेसब्र चील ने ग़ोर से झपटा मारा और कलेजी को लेकर उड़ गई।

पहले तो इस आकस्मिक हमले से हाजी बग़लोल घबरा गए। जब उसने चील को ऊपर उड़ते देखा, तो ठहाका लगाकर हंस पड़ा। जिन लोगों ने यह पूरा वाकया देखा था, वे हैरान थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि गुस्सा करने के बजाए हाजी ठहाका मारकर हंस क्यों रहा है। मानो कोई बहुत खुशी की बात हो।

'एक तो चील तुम्हारे हाथ से कलेजी ले उड़ी, उस पर तुम हंस रहे हो। ऐसी क्या बात हो गई भाई?' एक आदमी ने पूछा। उसने खुशी-खुशी कहा,'मैं तो उस चील की बेवकूफी पर हंस रहा हूं। बेचारी चील कलेजी तो छीन ले गई। उसको बनाने की विधि जो मौसी ने लिखकर दी थी, वह तो मेरी जेब में ही रह गई। अब वह चील कलेजी का करेगी क्या?

बच्चों को बिगाड़ रहे हैं मोबाइल फोन

आज मोबाइल फोन हमारी जरूरत बन गए हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि मोबाइल फोन से 8 साल के बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो रही है। यह अध्ययन से 15 साल के एक हजार बच्चों पर बेस्ड है। इसमें यह पाया गया कि इनमें से आधे बच्चों के पास आईफोन जैसे स्मार्टफोन थे। ज्यादातर बच्चों ने कहा कि ये फोन उन्हें उनके माता पिता ने दिए हैं।

ये बच्चे इन मोबाइलों का इस्तेमाल हिंसक और पॉर्न कंटेट देखने में करते हैं। इससे पता चलता है कि ब्रिटेन के 12 लाख बच्चे मोबाइलों पर गलत सामग्री देखते हैं। कारफोन वेयरहाउस के सर्वे के मुताबिक दस में से करीब 9 बच्चों के मोबाइल पर सिक्योरिटी सेटिंग नहीं थी और 46 पर्सेंट इस बात से अंजान थे कि मोबाइल में सिक्योरिटी सेटिंग होना जरूरी है। इनमें 27 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि उन्हें अनवॉन्टेड कॉल्स और मेसेज रिसीव होते हैं। चाइल्ड साइकॉलोजिस्ट प्रेफेसर तान्या बायरॉन जो कि यूके सरकार को चाइल्ड इंटरनेट सेफ्टी लागू करने की सलाह दे चुके हैं, उनके मुताबिक इंटरनेट के जमाने में इस स्टडी से मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर आपके बच्चे मोबाइल फोन यूज करते हैं, जिनमें इंटरनेट एक्सेस होता है तो आपको संभलने की जरूरत है।

कहां से आया फलों का राजा आम

आम को इसकी मिठास तथा गुणों के कारण भारत में फलों का राजा कहा जाता है। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि पूरे विश्व में आम भारत से ही गया है। डी कन्डोले के अनुसार भारत में चार हजार वर्षों से भी पहले से इसकी खेती हो रही थी। फाहियान और ह्वेनसांग का भी मत है कि यह फल राजा आम्रधारिका ने गौतम बुद्ध को भेंट किया था।

कहा जाता है कि अपनी विश्वविजय के दौरान सिकंदर को इसका स्वाद इतना भाया कि वह आम की कलमें अपने साथ यूरोप ले गया। मुगल बादशाह बाबर तो आम का इतना दीवाना था कि उसने अपना ताज उतारकर आम के ऊपर रख दिया था, ताकि कोई अन्य इसका स्वाद न ले सके। सांची तथा भरहुत के स्तम्भों और अजन्ता के भित्तिचित्रों में भी आम का चित्रण पाया गया है। अमीर खुसरो ने भी आम को 'फल सम्राट' की उपाधि दी थी।

आपने आम की लंगड़ा, दशहरी, सफेदा आदि किस्मों के बारे में अवश्य सुना होगा। आम की यह किस्में संसारभर में मशहूर हैं। शरबती, कलमी, तोतापरी, नीलम, जाफरानी, चौसा, मल्लिका, केसर, फजली, लड्डू, पसेरा, माल्टा, अलफान्सो आदि आम की कुछ अन्य बेहतरीन किस्में हैं।

आम के इन विभिन्न नामों के पीछे का इतिहास भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। लंगड़े आम के बारे में कहा गया है कि यह आम बनारस में विकसित हुआ है। वहां के एक विश्व मंदिर में एक लंगड़े साधु के पास आम के दो छोटे पौधे थे, जिनकी कलमें जंगल से उड़कर उसके पास आ गई थीं। साधु ने इन्हें बो दिया तथा जी-जान से उनकी देखभाल करने लगा।

कुछ वर्षों के पश्चात जब इन वृक्षों पर आम के फल लगे, तब साधु ने इन्हें शिव की मूर्ति पर चढ़ा दिया। कुछ समय के बाद उसने इन वृक्षों का कार्यभार पुजारी को सौंप दिया। पुजारी किसी को इनकी कलम न देता, पर प्रसाद के रूप में आम को भक्तजनों में बांट देता। भक्तजन इन रसीले आमों को खाकर तृप्ति का अनुभव करते।

धीरे-धीरे इन आमों के अनूठे स्वाद की चर्चा काशी नरेश तक पहुंची। काशी नरेश स्वयं मंदिर पधारे। शिव की पूजा करके उन्होंने पुजारी से कलम मांगी। पुजारी ने उन्हें कलम दे दी। जिससे आम के पौधे बने। यह आम फैलता चला गया और लंगड़ा आम कहलाया।

इसी तरह दशहरी आम का नाम लखनऊ के दशहरी गांव पर पड़ा है। मलीहाबादी आम का नामकरण भी मलीहाबाद नगर से हुआ है। दशहरी आम बादशाह कुतुबदीन ऐबक के शासनकाल में विकसित हुआ।

आम की कई किस्में काफी अनोखी हैं। 'शरीफा' आम दूर से सचमुच शरीफा दिखता है। 'अंगूरा' आम पेड़ पर अंगूर के गुच्छे जैसे आकार में लगते हैं। 'करेला' आम का रूप-रंग करेले जैसा होता है। 'चितला' आम छिलके से ही हरा-सफेद नहीं होता। उसे काटने पर भीतरी गूदा भी हरा-सफेद होता है। 'नीमचढ़ा' का स्वाद कुछ-कुछ कड़वा होने के कारण ही इसका यह नाम पड़ा है। 'लैला-मजनू' नामक किस्म की खासियत यह है कि लैला तथा मजनूं नामक आम के दो पेड़ साथ-साथ लगे होने पर ही फल देते हैं, अन्यथा नहीं।

'गुलदाना' खट्टा है तो 'छोटा जहांगीर' वाकई छोटा और बेहद मीठा है। 'ऐग मैंगो' बिल्कुल अंडे जैसा लगता है। 'दानापुरी कक्डन' की खासियत है कि यह अपने वृक्ष पर केवल एक ही पैदा होता है। महाराष्ट्र के 'कोंकण कृषि विद्यापीठ' में भारतीय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने बिना गुठली का नाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। इस आम को 'सिन्धु' नाम दिया गया है।

इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

कितने सारे टीचर्स!!!

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारे सब शामिल हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। अब आप सोच रहे होंगे, ये तो हमें मालूम है, तो फिर क्यों बताया जा रहा है। पर दोस्तो, क्या आपने अपने आस-पास मौजूद इन तत्वों से कुछ सीखने की कोशिश की है। क्या?..ये क्या सिखाएंगे!!! ये तो बोलते ही नहीं है। अरे ये बिना बोले ही काफी कुछ कह जाते हैं। बस जरूरत है इनको ध्यान से सुनने की। आइए हम लेकर चलते हैं आपको इन सबसे मिलवाने और इनसे दोस्ती भी करवाने..।

कुछ कहते हैं ये पेड़-पौधे

हमारी धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं। बस इतना जानते हैं आप। इनके वो गुण भी देखिए, जिनसे अब तक आप अनजान थे।

आत्मनिर्भर- पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

सुरक्षा-सहायता- पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ अपने फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं।

खुद पर नाज- इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। यही तो है आपकी पहचान।

नहीं करते बर्बाद- ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं।

कैसी थी दुनिया की पहली पेंसिल

क्या आप जानते हैं कि आपकी पढ़ाई की साथी आपकी पेंसिल का सबसे पहला रूप कैसा था? दुनिया की पहली पेंसिल ग्रेफाइट छड़ों का एक गुच्छा मात्र थी जिन्हें एक डोरी से बांधा गया था। इसके बाद किसी ने सोचा कि ग्रेफाइट छड़ को एक लकड़ी की खोखली छड़ के अंदर रखना चाहिए। जोसेफ रिचेंडरफर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पेंसिल के टप पर रबर लगाने के बारे में सोचा। ताकि लिखते वक्त हुई गलतियों को आसानी से ठीक किया जा सके। एक पेंसिल से आप 35 मील लंबी लाइन खींच सकते हैं या अंग्रेजी के 50,000 शब्द लिख सकते हैं।

आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के तहत स्वास्थ्य संगोष्ठी व जागरूकता रैली आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत ग्राम डूमोली खुर्द स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर हरिशंकर शर्मा ने की। संगोष्ठी में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के 18 बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं नशा मुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं द्वारा तंबाकू मुक्त समाज के संदेश के साथ स्वास्थ्य जागरूकता रैली भी निकाली गई।रैली ने गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर नई आरोग्य मित्र एवं आरोग्य सखियों को मधुमेह और उच्च रक्तचाप की जांच करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में नर्स मंजू झाझड़िया, सुशीला, सुमन, मुकेश देवी, मेल नर्स गणेश कुमार, योग प्रशिक्षक दीपक, प्रियंका तथा शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र यादव का सहयोग रहा। वहीं आशा सहयोगिनी मनीषा, सविता सुमन और सुमन देवी सहित ग्रामीणों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

भीषण गर्मी में गहराया जल संकट : जल संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड अधिकारी, सहायक अभियंता को जिला कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

राजस्व गांव गुलाबपुरा में जल जीवन मिशन का काम भी अधूरा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र में भीषण हीटवेव और गहराते पेयजल किल्लत को लेकर जन-आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। भैंरूघाट स्थित शारदा कला निकेतन में 'जल संघर्ष समिति' एवं 'अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति' की बैठक में ओबीसी ब्लॉक अध्यक्ष रामकरण सैनी के नेतृत्व में हुई बैठक में ग्रामीणों ने केवल पानी की समस्या पर हुंकार भरी। जल संघर्ष समिति के अध्यक्ष नथु राम सैनी ने कहा यदि सोमवार तक ग्रामीण क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो गांव-गांव में आंदोलन शुरू किया जाएगा।जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं संयोजक एडवोकेट के.के. सैनी ने भी चेतावनी देते हुए कहा कि सोमवार तक समाधान नहीं होने पर वे आमरण अनशन पर बैठने से भी पीछे नहीं हटेंगे। बैठक के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने पीएचईडी विभाग के एईएन अनूप अग्रवाल और एसडीएम के पीए सुमेर सिंह को जिला

कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।अधिकारियों ने सोमवार तक टैंकर सप्लाई सुचारू करने का आश्वासन दिया है। जल संकट को लेकर तहसीलदार जे.आर. कुड़ी से भी दूरभाष पर वार्ता की गई, जिन्होंने जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। बैठक में पंचायत राज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रणजीत चंदेलिया, जिलाध्यक्ष विजय सिंह मील विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान मोहन लाल, संरक्षक कैलाश साधक, भुरा सैनी, सांवर मल खटाना गुलाबपुरा ,रमेश गुर्जर कोट, नाथूलाल सैनी, मुक्ति लाल नांगल, गंगा सहाय सैनी गुलाबपुरा,संतोष छापोली, सीताराम सैनी, तेजा राम पापड़ा, अक्षय मावता, तेजपाल पापड़ा, शिवदान सुरपुरा, गिरधारी शर्मा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

महवा की नौनिहालो ने गाड़े सफलता के झंडे, द बौहराज ग्लोबल स्कूल का 12वीं सीबीएसई बोर्ड परिणाम शत-प्रतिशत

मधु सैनी ने 93.20 प्रतिशत अंकों के साथ किया टॉप, शिक्षा के संग संस्कार की पाठशाला बना स्कूल

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मधु सैनी 93.20% | हैप्पी गुप्ता 92.60% | देवाशुं गर्ग 90.20% | भाविका मीना 88.20%

मनोज खंडेलवाल । कहते हैं कि 'मेहनत की तपती धूप में जो पसीना बहाते हैं, वही कामयाबी के आसमान पर सितारे बनकर चमकते हैं।' महवा कस्बे के द बौहराज ग्लोबल स्कूल ने एक बार फिर इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में सफलता का ऐसा परचम लहराया, जिसकी गूंज पूरे क्षेत्र में सुनाई दे रही है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस बार शत-प्रतिशत रहा है। जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, स्कूल परिसर में खुशी का माहौल छा गया। विद्यार्थियों की आंखों में सपनों की चमक थी तो अभिभावकों के चेहरों पर संतोष और गर्व साफ नजर आया। मिठाइयां बंटी, बधाइयों का दौर चला और पूरे क्षेत्र में स्कूल की उपलब्धि चर्चा का विषय बन गई। विद्यालय की छात्रा मधु सैनी ने 93.20 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मधु की इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि गांव-कस्बों की बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं, बल्कि अपने हौसलों से नई इबारत भी लिख रही हैं। हैप्पी गुप्ता ने 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि देवांशु गर्ग ने 90.20 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का दम दिखाया। भाविका मीणा और चेतना सिंह ने 88.20 प्रतिशत अंक अर्जित किए। अनुराग मीणा ने 86.20 प्रतिशत, निशा बानो ने 85.80 प्रतिशत, अनमोल गुप्ता ने 85.60 प्रतिशत, पंकज मीणा ने 85 प्रतिशत और सौरभ रमन ने 84.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। द्रष्टि अग्रवाल ने 83.40 प्रतिशत, अक्षरा अग्रवाल ने 83.20 प्रतिशत, कृतिका मीणा ने 81.20 प्रतिशत, प्रकाश अवस्थी ने 78.80 प्रतिशत, प्रथमा बौहरा ने 77.40 प्रतिशत तथा भूमि खंडेलवाल ने 76.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता की सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

विद्यालय प्रशासन ने इस सफलता के पीछे अनुशासित शैक्षणिक वातावरण, नियमित अध्ययन प्रणाली, आधुनिक शिक्षण पद्धति और शिक्षकों की निरंतर मेहनत को प्रमुख आधार बताया। स्कूल में केवल पाठ्यक्रम तक सीमित शिक्षा नहीं दी जा रही, बल्कि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का भी लगातार प्रयास किया जा रहा है। अतिरिक्त कक्षाएं, टेस्ट सीरीज, मोटिवेशनल सेशन और करियर गाइडेंस जैसे प्रयासों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई मजबूती दी है। विद्यालय के डायरेक्टर विनय बौहरा, सह-डायरेक्टर विकास बौहरा, प्रिंसिपल और समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम केवल अंकों की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और विश्वास का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम देना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक तैयार करना है जो भविष्य में समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बन सकें।

अभिभावकों ने भी विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि बदलते दौर में जहां शिक्षा केवल व्यवसाय बनती जा रही है, वहीं द बौहराज ग्लोबल स्कूल ने गुणवत्ता, संस्कार और अनुशासन के संतुलन से अलग पहचान कायम की है। महवा क्षेत्र में विद्यालय की इस सफलता को शिक्षा जगत की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। शिक्षा से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह ग्रामीण अंचलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल मजबूत होता रहा तो आने वाले समय में छोटे कस्बों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाएंगे।

संतों के सान्निध्य में हुआ 'मनोहर पैलेस' होटल व रेस्टोरेंट का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मनोहरपुर में शुक्रवार को ग्रामीण संस्कृति, पारिवारिक संस्कार और आधुनिक आतिथ्य परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला, जब प्रेरणास्त्रोत स्वर्गीय मनोहरी पटैल एवं स्वर्गीय फूला देवी के पुण्य स्मरण और आशीर्वाद स्वरूप स्थापित 'मनोहर पैलेस होटल एंड रेस्टोरेंट' का भव्य शुभारंभ श्रद्धा, आस्था और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संत-महात्माओं के सान्निध्य और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने पूरे आयोजन को सामाजिक और सांस्कृतिक गरिमा से भर दिया। 'जहां संस्कारों की नींव मजबूत होती है, वहीं समृद्धि के द्वार खुलते हैं' – इसी भाव के साथ आयोजित समारोह में संत रामेश्वरदास महाराज, बालकदास महाराज, आचार्य शेखरदत्त महाराज, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, महवा विधायक राजेंद्र मीणा तथा क्षेत्र के पंच-पटेलों ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। ग्रामीण अंचल की पारंपरिक वेशभूषा, मंगल गीतों और वैदिक उच्चारणों के बीच उद्घाटन समारोह ने सामाजिक सौहार्द और पारिवारिक मूल्यों की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। उपस्थित संतों ने अपने आशीर्वचन में कहा कि व्यापार केवल लाभ का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और लोगों को जोड़ने का भी सशक्त माध्यम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रतिष्ठान की शुरुआत माता-पिता के पुण्य स्मरण और आशीर्वाद से होती है, वहां सदैव उन्नति, विश्वास और समृद्धि का वास रहता है।

पूर्व मंत्री गोलमा देवी और विधायक राजेंद्र मीणा ने भी नवस्थापित प्रतिष्ठान की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के आधुनिक एवं व्यवस्थित होटल-रेस्टोरेंट स्थानीय रोजगार, व्यापारिक गतिविधियों और क्षेत्रीय विकास को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि गांवों में बढ़ती सुविधाएं अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय प्रतिभाओं और युवाओं के लिए नए अवसर भी तैयार कर रही हैं। 'माटी से जुड़ा व्यवसाय जब संस्कारों से संचालित होता है, तब वह केवल प्रतिष्ठान नहीं, समाज का विश्वास बन जाता है' – समारोह में यह भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस अवसर पर प्रतिष्ठान संचालक वीरेंद्र मीणा ने सभी संत-महात्माओं, अतिथियों और ग्रामीणों का भावपूर्ण स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मनोहर पैलेस होटल एंड रेस्टोरेंट केवल व्यवसायिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं और सम्मानजनक आतिथ्य उपलब्ध कराने की भावना से शुरू किया गया है। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

माता की पुण्य स्मृति में गौसेवा, नायब तहसीलदार सिहाग ने खिलाया गुड़ व हरा चारा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । 'गौसेवा से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं है। गौसेवा का पुण्य अनेक तीर्थों में स्नान करने से भी अधिक माना गया है, क्योंकि गाय में समस्त देवी-देवताओं का वास होता है।' यह विचार मंडावा के नायब तहसीलदार मुकेश सिहाग ने व्यक्त किए। वे मुकुंदगढ़ रोड स्थित कामधेनु निराश्रित गौसेवा समिति में अपनी माता स्वर्गीय सावित्री देवी की पुण्य स्मृति में आयोजित गौसेवा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गौमाता को गुड़ एवं हरा चारा खिलाकर पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान सिहाग ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा का विशेष महत्व है। गौमाता की सेवा करने से मानव जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। उन्होंने सभी लोगों से गौसंरक्षण एवं गौसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष किशोर सिंह, रविंद्र शर्मा, प्रकाश स्वामी, गोवर्धन, वंश एवं गजेंद्र सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर आज होगा विशाल धर्म सभा का आयोजन

यज्ञ की तैयारियों को लेकर अलग-अलग समितियों का होगा गठन

असम में मेघालय के दौरे पर गए प्रतिनिधि मंडल का भी होगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ को लेकर मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के अध्यक्षता में विशाल धर्म सभा का आयोजन होगा द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आज आयोजित होने वाली विशाल धर्म सभा के दौरान यज्ञ की तैयारियो को लेकर समितियां का अलग-अलग गठन किया जाएगा व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सोपी जाएगी द्य यज्ञ समिति की व्यवस्थापक विकास जांगिड़ एवं महेंद्र तेतरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जैसे-जैसे यज्ञ की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे-वैसे ही तैयारियां पूरे परवान पर दिखाई देने लगी है द्य यज्ञ सेवा समिति की व्यवस्थापक विकास जांगिड़ एवं सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आज मंदिर परिसर पर आयोजित होने वाली विशाल धर्म सभा में असम व मेघालय के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल का यज्ञ सेवा समिति की तरफ से सम्मान भी किया जाएगा द्य यज्ञ की तैयारी को ध्यान में रखते हुए यज्ञ सेवा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव व ढाणी ढाणी में पोस्टर का विमोचन कर व पीले चावल बांटकर लोगों को निमंत्रण दिया जा रहा है द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया के अनुसार आज आयोजित होने वाली विशाल धर्म सभा में अधिक से अधिक लोग पहुंचे एवं धर्म सभा को सफल बनाने का कष्ट करें

बालिका आदर्श विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव समारोह पूर्वक हुआ आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बालिका आदर्श विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव गुरुवार को संत रोशन नाथ महाराज के सानिध्य में समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह में विद्यालय की छात्राओं द्वारा योग, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण एवं विद्या भारती द्वारा संचालित पाँच आधारभूत विषयों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए । कार्यक्रम में भारतीय विद्या मंदिर समिति के जयप्रकाश सरावगी, राजकुमार खीरवेवाला, पुरुषोत्तम मिश्रा, पुरुषोत्तम बील, सुरेश बीबीपुरीया, दिलीप नाउवाला, गोविंदराम जांगिड़, अरुण सैन, रामस्वरूप सोमानी,भवानीशंकर जाजोदिया,ऋषिकुल विद्यालय की प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा, चांदमल सोनी, नरेश कुमार माटोलिया, मनोज दाधीच, उम्मेद शर्मा, मो. आबिद, अशोक पारीक, सूरजभान बीजला, अशोक शर्मा, मुरारी मिश्रा, पूर्व छात्र पार्थ शर्मा, जनार्दन जोशीसहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नगेन्द्र सिंह नाथावत ने की। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विद्याधर शर्मा , विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विमला मुंदड़ा, डॉ. निरूपमा उपाध्याय, तथा पूर्व छात्र रामप्रकाश वेदी मंचस्थ रहे। प्रधानाचार्य विद्याधर शर्मा ने स्कूल का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अतिथियों परिचय प्रस्तुत किया जबकि संचालन खुशबू जोशी एवं सुनीता पारीक ने किया ।इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य मुकेश पुरोहित, मिथिलेश झा, लिपिक कैलाशचंद्र शर्मा, रमण बिहारी शर्मा, रोहिताश?व सिंह गौड़, विनीत दायमा सहित समस्त स्टाफ, कर्मचारी, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुंभाराम जल योजना पाइपलाइन में लीकेज, खरखड़ा गांव में तीन माह से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । खरखड़ा गांव में कुंभाराम जल योजना की मुख्य पाइपलाइन में लीकेज के कारण पिछले तीन माह से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। भीषण गर्मी और पेयजल संकट के बीच पानी की यह बर्बादी ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। यह लीकेज गांव के सिलाटी माता मंदिर के पास खेतड़ी की ओर आ रही मुख्य राइजिंग लाइन में है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, दिन-रात लगातार पानी बहने से प्रतिदिन हजारों लीटर पेयजल नाले में बर्बाद हो रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे विभाग की लापरवाही स्पष्ट दिखती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जलदाय विभाग से जल्द से जल्द लीकेज को ठीक करवाने और पानी की बर्बादी रोकने की मांग की है।

मंडावर में 24.99 लाख के नाला निर्माण कार्य पर उठे सवाल, घटिया पटाव के आरोप से मचा बवाल

फेरोकवर की जगह कमजोर पत्थर लगाने का आरोप, लोगों ने कहा–'आज नहीं चेते तो कल हो सकता है बड़ा हादसा '

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। नगरपालिका मंडावर की ओर से नए बस स्टैंड क्षेत्र में खुले नालों को ढकने के लिए करीब 24.99 लाख रुपए की लागत से कराए जा रहे पटाव कार्य पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। जिस कार्य को आमजन की सुरक्षा और राहत का माध्यम माना जा रहा था, वही अब लोगों की नजर में संभावित हादसे का कारण बनता दिखाई दे रहा है। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक लोगों ने आरोप लगाया है कि नालों को मजबूत फेरोकवर से ढकने के बजाय कमजोर और निम्न गुणवत्ता वाले पत्थर लगाकर निर्माण कार्य को केवल खानापूर्ति में बदला जा रहा है। 'ऊपर से विकास, भीतर से विनाश' जैसी चर्चाएं अब शहर की गलियों से लेकर सोशल मीडिया तक खुलकर सुनाई देने लगी हैं। लोगों का कहना है कि नालों पर लगाए जा रहे पत्थर स्थानीय भाषा में 'गैंग्सा' कहलाते हैं, जिन्हें भार सहने के लिहाज से कमजोर माना जाता है। नागरिकों ने आशंका जताई कि यदि इन पत्थरों पर कोई बच्चा, बुजुर्ग, राहगीर या मवेशी चढ़ जाए तो किसी भी समय पत्थर टूट सकता है और व्यक्ति सीधे गहरे नाले में गिरकर गंभीर घायल हो सकता है। शहरवासियों का कहना है कि बरसात के मौसम में पहले ही खुले नाले दुर्घटनाओं का कारण बने हुए हैं, ऐसे में कमजोर सामग्री का उपयोग करना सीधे तौर पर आमजन की जान जोखिम में डालने जैसा है। लोगों में यह सवाल भी गूंज रहा है कि आखिर जब सरकारी राशि से निर्माण कार्य हो रहा है तो फिर मानक गुणवत्ता की मजबूत सामग्री लगाने से परहेज क्यों किया जा रहा है। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब मंडावर की पूर्व सरपंच कुसुमलता ने अपने निजी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद सोशल मीडिया पर विरोध तेज हो गया और लोगों ने निर्माण कार्य के वीडियो व फोटो साझा करते हुए नगरपालिका प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर निशाना साधना शुरू कर दिया। कई लोगों ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर गुणवत्ता मानकों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। गौरतलब है कि मंडावर बस स्टैंड क्षेत्र में लंबे समय से खुले नाले स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी बने हुए थे। बरसात के दिनों में यहां दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता था। क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा के प्रयासों से हाल ही में नालों के पटाव का कार्य शुरू कराया गया था, जिससे लोगों में राहत की उम्मीद जगी थी। शुरुआत में लोगों ने इस पहल का स्वागत भी किया, लेकिन अब निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों ने पूरे कार्य को विवादों के घेरे में ला खड़ा किया है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगरपालिका मंडावर में नाला निर्माण, सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था और अन्य विकास कार्यों में लंबे समय से अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। लोगों का कहना है कि पालिका के जेईएन और ठेकेदारों की मिलीभगत से निर्माण कार्यों में भारी गड़बड़ियां हो रही हैं। आरोप यह भी हैं कि निर्माण कार्यों की सही मॉनिटरिंग नहीं की जा रही और गुणवत्ता परीक्षण के बिना ही बिलों का भुगतान किया जा रहा है। 'जब निगरानी सो जाती है, तब भ्रष्टाचार जाग जाता है' जैसी चर्चाएं अब आमजन के बीच खुलकर होने लगी हैं। शहरवासियों ने नगरपालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए तथा यदि निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग की पुष्टि होती है तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता। नागरिकों ने मांग की कि नालों का ढकाव केवल मजबूत फेरोकवर या मानक गुणवत्ता वाली सीमेंट पट्टियों से कराया जाए, ताकि विकास कार्य वास्तव में आमजन की सुरक्षा का आधार बन सके, न कि दुर्घटना का नया खतरा।

कमजोर गैंग्सा पट्टियो से नाले का पटाव करते हुये

इनका कहना है...

'मामला हमारे संज्ञान में आया है। नाला निर्माण एवं पटाव कार्य के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्धारित मापदंडों के अनुसार तय मोटाई और चौड़ाई वाली हिंडौन की मजबूत पट्टियां लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। यदि मौके पर गुणवत्ता या मापदंडों में किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो तकनीकी जांच कराकर संबंधित सामग्री को तुरंत बदलवाया जाएगा। निर्माण कार्य पूरी तरह संतोषजनक और मानक अनुरूप पाए जाने के बाद ही ठेकेदार का भुगतान जारी किया जाएगा। '

मिथलेश मीना,जेईएन नगरपालिका मंडावर प्रशासन,मंडावर।

ब्रह्म चैतन्य संस्थान के समारोह में चमकीं प्रतिभाएं, जिला शिक्षा अधिकारी ने किया 118 विद्यार्थियों का 'शिक्षा गौरव' सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

ब्रह्म चैतन्य संस्थान की ओर से शुक्रवार को आयोजित भव्य शिक्षा गौरव सम्मान समारोह में समाज की उभरती प्रतिभाओं और नवनियुक्त सरकारी कार्मिकों का हुजूम उमड़ा। समारोह के मुख्य अतिथि झुन्झुनूं

जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा रहे, जबकि अध्यक्षता संस्थान के पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ अरड़ावतिया ने की। कार्यक्रम में जैसलमेर उपखंड अधिकारी गजेंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जिन्होंने संस्थान के अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र के साथ मंच साझा किया।

समारोह का विधिवत शुभारंभ पृथ्वी राज शर्मा के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके पश्चात संस्थान के महामंत्री सुरेश शर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए पिछले दो वर्षों के आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा सदन के समक्ष रखा। अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने अपने दो साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित किया और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान प्रतिभाओं के सम्मान का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें शैक्षणिक सत्र की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक और कॉलेज शिक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिनमें माधवी शर्मा पुत्री निरंजन शर्मा अर्थशास्त्र में गोल्ड मैडल, मनीष शर्मा पुत्र प्रदीप शर्मा एम एस सी में टॉपर, कोमल शर्मा पुत्री अशोक शर्मा बीए बी एड में टॉपर, लुबना अरड़ावतिया पुत्री संतोष अरड़ावतिया एम एस सी टॉपर रही। एम बी बी एस करने वाले डॉ. आदर्श मिश्रा पुत्र कमलेश मिश्रा, डॉ. हरीश पुत्र कमल शर्मा, बी एम एस डाक्टर शरद कांत पुत्र संत कुमार, पशु-चिकित्सक डॉ. अनुराग पुत्र भूपेंद्र अरडावतिया, सी एम ए इंटरमिडियट लहर बागडी पुत्री संजय बागड़ी, एम बी ए अभिषेक बागड़ी पुत्र अनिल कुमार बागड़ी , एम बी ए टॉपर हर्ष चौमाल पुत्र रजनीश चौमाल रहें। डाक्ट्रेट की उपाधि सुभीता शर्मा पुत्री ओमप्रकाश पचरंगीया, डॉ. कैलाश चतुर्वेदी, शगुन शर्मा पुत्री सुनील शर्मा को प्राप्त हुई। खेल जगत आंचल शर्मा पुत्री बलबीर शर्मा हॉकी प्रशिक्षक बनी , विनोद कुमार ? हाफ मैराथन 21 किलोमीटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया साथ ही, प्रशासनिक और विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित होकर समाज का मान बढ़ाने वाले युवाओं को दुपट्टा पहनाकर, प्रशस्ति-पत्र और मोमेंटो भेंट किए गए। कुल 118 छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक और पेशेवर उत्कृष्टता के लिए मंच पर नवाजा गया। समारोह के विशेष आकर्षण के रूप में आरएएस (RAS) बनीं कृष्णा शर्मा का भव्य सम्मान किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय काजड़ा के प्रधानाचार्य राजेश शर्मा की सुपुत्री कृष्णा की इस उपलब्धि पर वक्ताओं ने अन्य विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा ने विद्यार्थियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए गुरुमंत्र दिए, वहीं जैसलमेर एसडीएम गजेंद्र शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य को स्पष्ट रखकर की गई मेहनत कभी विफल नहीं होती। समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम नई पीढ़ी के लिए प्रोत्साहन और गौरव का प्रतीक बना। कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यापक अनिल शर्मा एवं विनोद शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विप्र समाज के गणमान्य महिला एवं पुरुष और बच्चे उपस्थित रहें।

ग्राम रथ अभियान के तहत जसरापुर में जनसुनवाई आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

जनसेवा और सुशासन के संकल्प के साथ चलाए जा रहे 'ग्राम रथ अभियान' के तहत खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जसरापुर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभियान प्रभारी विशम्बर पूनिया, एसडीएम सुनील चौहान, बीसीएमओ डॉ हरीश यादव सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए गए।जनसुनवाई में बिजली, पानी, सड़क, राजस्व एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई तथा अधिकारियों को प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर से राहत दिलाते हुए एक ही छत के नीचे समस्याओं का समाधान उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और ढाणी तक विकास पहुंचाना तथा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, ऑडियो-वीडियो और डिजिटल माध्यम से गांवों में लोगों को किया गया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

घंग्रामीण अंचलों में सरकारी योजनाओं की गूंज अब पूरी तरह से आधुनिक और डिजिटल रंग में दिखाई दे रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित 'ग्राम विकास रथ' अभियान के तहत शुक्रवार को क्षेत्र की बिरोल, कोलसिया और परसरामपुरा ग्राम पंचायतों में सूचना एवं तकनीकी के अनूठे संगम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, ऑडियो-वीडियो क्लिप्स और अत्याधुनिक एलईडी युक्त डिजिटल प्रस्तुतियों के जरिए सरकारी योजनाओं की जानकारी बेहद सरल अंदाज में आमजन तक पहुँचाई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँच रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में तेजी से सुधार और खुशहाली आ रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों, विकास कार्यों और प्रशासनिक उपलब्धियों से सीधे जोड़ा जा रहा है। रथ यात्रा प्रभारी ने बताया कि ग्राम विकास रथ का उद्देश्य केवल योजनाओं का प्रचार करना मात्र नहीं है, बल्कि धरातल पर उनके क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति क्या है, इससे भी आमजन को अवगत कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित चौपाल और सीधे संवाद सत्रों में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। योजनाओं का लाभ ले रहे ग्रामीणों ने खुलकर अपनी बात रखी और समयबद्ध मिल रही सहायता पर गहरा संतोष व्यक्त किया। इस दौरान जागरूकता अभियान और चौपाल कार्यक्रमों में भाजपा नेता विष्णु रूंथला, पूर्व पंचायत समिति सदस्य रामकरण चौधरी, सहायक विकास अधिकारी महेंद्र सैनी, बंशीधर कालेर, पितराम यादव, पंचायत प्रशासक कांता देवी, सहायक कृषि अधिकारी नरेश कुमार, रघुवीर सिंह यादव, कृषि पर्यवेक्षक अमित कुमार, महेश पारीक, पटवारी संगीता, ग्राम विकास अधिकारी सुनिता कुमारी, कोमल कुमारी शर्मा,? शिम्बू राम, रेशमा, सपना, ढालचंद ढाका, रामप्रताप शर्मा, रामकृष्ण, राजू पारीक और सांवरमल कटारिया सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की नई कार्यकारिणी, बजरंग काजला 14वीं बार खेतड़ीनगर अध्यक्ष चुने गए

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) उपशाखा खेतड़ी का वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें बजरंगलाल काजला को 14वीं बार अध्यक्ष चुना गया। अधिवेशन की अध्यक्षता कृष्ण कुमार जांगिड़ ने की। इसमें शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने और आरजीएचएस योजना को सुचारू रूप से जारी रखने की मांग उठाई। नई कार्यकारिणी का गठन निर्वाचन अधिकारी ब्रह्मानंद दौचानिया और जिला पर्यवेक्षक थानसिंह सोमरा के नेतृत्व में सर्वसम्मति से किया गया। बजरंगलाल काजला को लगातार 14वीं बार अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। नई कार्यकारिणी में कृष्ण कुमार जांगिड़ को संरक्षक, राजेंद्र कुमार को सभाध्यक्ष, सुमेरसिंह धानिया को उपसभाध्यक्ष, नरेंद्र कुमार ताखर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और राजेश कुमारी यादव को महिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अशोक कुमार यादव मंत्री, निरंजनलाल जांगिड़ संयुक्त मंत्री, संपतराम सैनी कोषाध्यक्ष, दाताराम यादव संघर्ष समिति संयोजक और राजकुमार यादव सह-संयोजक बनाए गए। अजय कुमार प्रचार मंत्री, हरीसिंह चौधरी संगठन मंत्री, शीशराम सैनी शाशि प्रतिनिधि, सुरेश कुमार प्रबोधक प्रतिनिधि, ओमप्रकाश सैनी प्राशि प्रतिनिधि, खम्भाराम सैनी माशि प्रतिनिधि और सुनीता बलानिया महिला प्रतिनिधि के रूप में शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में, जिला पर्यवेक्षक थानसिंह सोमरा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

झुंझुनू जिला उपभोक्ता समिति इकाई चिड़ावा की बैठक का आयोजन

आम उपभोक्ता की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य योजना पर हुई विस्तृत चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

झुंझुनू जिला उपभोक्ता समिति इकाई चिड़ावा की बैठक का आयोजन समिति के नगर अध्यक्ष कवि नगेन्द्र शर्मा 'निकुंज' की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि समिति के जिलाध्यक्ष प्रभुशरण तिवाड़ी थे। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में समिति के जिला संगठन प्रभारी कैप्टन शंकर लाल महरानिया मौजूद रहे। बैठक में प्रभुशरण तिवाड़ी व कैप्टन शंकरलाल महरानीया द्वारा मौजूद समिति के सदस्यों को उपभोक्ता अधिकारों तथा कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही आम उपभोक्ता की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करने पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति सचिव टैक्स एडवोकेट विक्रम सिंह शेखावत ने उपभोक्ताओं के बैंक खातों मे बैंको द्वारा मिनिमम बैलेंस के नाम पर चार्ज लगाने का मुद्दा उठाते हुए आम उपभोक्ता के साथ हो रही लूट के खिलाफ आंदोलन की बात कही। बैठक के दौरान चिड़ावा शहर मे पानी की विकट होती जा रही समस्या, पेट्रोल पम्पो पर उपलब्ध शौचालय आम जन के लिए है उपलब्ध करवाने

सहित उपभोक्ता अधिकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ। इस दौरान उपाध्यक्ष दिनेश जांगिड़, अरविन्द भगत, कोषाध्यक्ष राजेश पूनिया, मीडिया प्रभारी आशु स्वामी, सह सचिव विनोद चेजारा, जन सम्पर्क सचिव सज्जन गोदारा, जयकिशन बाछुका, एडवोकेट जोगेंद्र कुमार, डॉ आशीष गिरधर, योगेश दादरवाल, महिला सदस्य कोमल भारतीय, पूजा नायक, सोनू कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन विक्रम सिंह के द्वारा किया गया।

महवा में आज गूंजेगा पृथ्वीराज चौहान का गौरव, राजपूत छात्रावास में जुटेगा कई जिलों का क्षत्रिय समाज

जयपुर से लेकर भरतपुर-अलवर तक के पदाधिकारी रहेंगे मौजूद

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महान हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर शनिवार को महवा कस्बे का राजपूत छात्रावास क्षत्रिय समाज के गौरव, एकता और सामाजिक सहभागिता का बड़ा केंद्र बनेगा। सुबह 10 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में महवा, मंडावर सहित दौसा जिले की विभिन्न तहसीलों से बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन राजपूत सभा महवा-मंडावर के अध्यक्ष दशरथ सिंह नरूका के नेतृत्व में किया जाएगा, जिसे लेकर समाज में उत्साह का माहौल बना हुआ है। समारोह को लेकर आयोजित बैठक में अध्यक्ष वैद्य दशरथ सिंह केसरी ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश और जिला स्तर के कई प्रमुख पदाधिकारी विशेष रूप से शामिल होंगे। जयपुर से राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष रामसिंह चांदोलाई अपनी कार्यकारिणी के साथ पहुंचेंगे, वहीं दौसा जिलाध्यक्ष कुबेर सिंह राजपूत, अलवर जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह, भरतपुर जिलाध्यक्ष रविन्द्र सिंह तथा करौली जिलाध्यक्ष अजय सिंह भी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ समारोह में भाग लेंगे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शक्तिसिंह राजपूत बांदीकुई उपस्थित रहेंगे, जो समाज की एकजुटता, गौरवशाली इतिहास और वर्तमान

सामाजिक चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे। आयोजन में बांदीकुई, सिकराय, दौसा, लालसोट, राजगढ़, कठूमर और लक्ष्मणगढ़ सहित विभिन्न तहसीलों के अध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी भी शामिल होगी। आयोजकों का कहना है कि यह कार्यक्रम केवल जयंती उत्सव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज के संगठन, युवाओं में इतिहास बोध और सामाजिक समरसता का भी संदेश देगा। समारोह को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है तथा ग्रामीण अंचलों में भी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा बनी हुई है। अध्यक्ष दशरथ सिंह केसरी ने महवा-मंडावर क्षेत्र के समस्त क्षत्रिय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर समाज की एकता और गौरव को मजबूत करने की अपील की है। साथ ही क्षेत्र के पत्रकारों से भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आयोजन को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया गया है। बैठक के दौरान समाज के कई पदाधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मिट्टी व पानी की जांच करवाकर ही फसल की बिजाई व फलदार पौधे लगाएं- जिला बागवानी अधिकारी डा. प्रेम यादव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली खण्ड गांव राजपुरा में शुक्रवार को ग्वार फसल व फलदार पौधे लगाने पर कृषि विभाग अटेली के तत्वावधान में ग्वार विशेषज्ञ डॉ बी.डी. यादव के सहयोग से ग्वार फसल की पैदावार बढ़ाने व बागवानी को अपनाकर खुद को समृद्ध बनाने पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मौजूद किसानों को बीज उपचार के लिए दो एकड़ की वेबिस्टिन दवा इस अवसर पर शिविर में तथा एक जोड़ी दस्ताने हिंदुस्तान गम् एण्ड केमिकल्स भिवानी की तरफ से मुफ्त दी गई। कृषि गोष्ठी में जिला बागवानी अधिकारी डॉ. प्रेम यादव मुख्य अतिथि रहे तथा इसकी अध्यक्षता खंड कृषि अधिकारी डा. रजनीश की देखरेख में किया गया। कृषि अधिकारी ने किसानों को अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाकर ही बिजाई करने की सलाह दी। मिट्टी व पानी के सैम्पल कैसे लिए जाएं इसके बारे में किसानों को मौके पर पूरी जानकारी दी। मिट्टी जांच के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। कृषि अधिकारी ने किसानों को किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की स्कीमों के बारे में तथा प्राकृतिक खेती अपनाने पर विशेष जोर

दिया। ग्वार विशेषज्ञ डा. बी.डी. यादव का गोष्ठी में किसानों से रूबरू होने पर पता चला जडग़लन व झुलसा रोग दो मुख्य बीमारी आती है जिसकी रोकथाम के बारे में किसानों को कोई भी जानकारी नहीं है इसलिए इस तरह की ट्रेनिंग करना किसान के बहुत ही हित में है। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने ग्वार की कम पैदावार होने का जडग़लन व झुलसा रोग मुख्य कारण बताए। जड़ काली होने पर पौधें मुरझाकर पीले हो कर मर जाते हैं। ऐसे पौधों को जब जमीन से उखाड़ कर देखते हैं तो उनकी जड़े काली मिलती हैं। इस बीमारी की रोकथाम के लिए 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत (बेविस्टीन) प्रति किलो बीज की दर से सूखा उपचारित करने के बाद ही बिजाई करनी चाहिए। ऐसा करने से 80 से 95 प्रतिशत इस रोग पर काबू पाया जा सकता है। जडग़लन रोग का इलाज मात्र 15 रूपये के बीज उपचार से संभव है। ग्वार की कौनसी किस्म लगाएं डॉ. यादव ने किसानों को ग्वार की उन्नतशील किस्में एचजी 365 व एचजी 563 बोने की विशेष सलाह दी, तथा इसके बाद सरसों की फसल आसानी से ली जा सकती है। बिजाई का उचित समय गोष्ठी के दौरान डॉ. यादव ने किसानों को विशेष सलाह दी कि इस क्षेत्र में पानी की कमी है और पानी का स्तर बहुत नीचे गिरता जा रहा है। इसलिए किसान पानी लगाकर ग्वार की बिजाई न करने की सलाह दी। ग्वार की अच्छी पैदावार लेने के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा बिजाई के लिए सबसे उचित है परन्तु जिस किसान के पास अच्छी गुणवत्ता फालतू पानी उपलब्ध है तो ग्वार की बिजाई मानसून की बारिश आने से पहले कुछ रकबे में जून के पहले पखवाड़े में पानी लगाकर रिस्क को कम करने के लिए बिजाई कर सकते हैं बारिश पर आधारित बिजाई मानसून की अच्छी बारिश आने पर ही करें। बागवानी पौधें लगाने की सलाह जिला बागवानी अधिकारी व मुख्य अतिथि डा. प्रेम यादव ने कहा हरियाणा में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार व बागवानी विभाग इस पर काम कर रहा है ताकि हरियाणा के किसान बागवानी को अपनाकर अपने आप को समृद्ध बना सके। इसके साथ-साथ उन्होंने मुख्यमंत्री बागवानी फसल बीमा योजना अपनाने की सलाह दी जिसमें किसानों को नाम मात्र प्रीमियम पर हजारों रुपये मुआवजा राशि दी जाती है। किसान इन चीजों का फायदा उठा सकते हैं जिन्होंने अपनी फसल का पंजीकरण कराया हो और प्रीमियम भरा हुआ हो। विभाग द्वारा फलदार पौधों पर सब्सिडी देती है जिसका किसान फायदा उठाएं। गोष्ठी को कामयाब करने में गांव के प्रगतिशील किसान कृष्ण कुमार का विशेष भूमिका निभाई रहा। इस अवसर पर गांव के सरपंच विक्रम सिंह व पंचायत समिति सदस्य सोनू कुमार गोष्ठी को कामयाब करने में विशेष सहयोग किया। इस मौके पर समिति सदस्य सोनू कुमार, धर्मपाल, सतबीर, बुलाराम, रामफल, लालचंद, रामनिवास, शेर सिंह, अभय सिंह, कृष्ण कुमार, उषा रानी, सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

मंडावा पंचायत समिति में पहुंचा ग्राम रथ लोगो को दी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

ग्राम रथ अभियान सरकार और आमजन के बीच मजबूत संवाद का बन रहा है माध्यमः खीचड़

सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक मिले योजनाओं का लाभ : डॉ भास्कर

लोक कलाकारों के माध्यम से लोगों को मिल रही है योजनाओं की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण अंचलों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में संचालित ग्राम रथ अभियान के तहत शुक्रवार को मंडावा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्साहपूर्ण एवं आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम रथ के मंडावा पंचायत समिति परिसर में पहुंचने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मौके पर कई लोगों ने योजनाओं का लाभ भी प्राप्त किया। विकास अधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत गांव-गांव एलईडी वैन के माध्यम से योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ग्राम रथ के गांवों में पहुंचते ही लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा कार्यक्रम स्थलों पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, युवाओं और किसानों ने कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 13 विभागों की प्रमुख योजनाओं का डिजिटल माध्यम से जीवंत प्रसारण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश भी ग्रामीणों को

सुनाया गया, जिसमें उन्होंने आमजन से सरकार की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। ग्राम रथ अभियान के तहत कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग की सहभागिता से कृषकों, पशुपालकों एवं ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रत्येक ग्राम रथ में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से योजनाओं की ऑडियो एवं वीडियो प्रस्तुति की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं को समझने में आसानी हो रही है। कार्यक्रमों में स्थानीय लोक कलाकारों ने गीत, भजन एवं

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी रोचक अंदाज में प्रस्तुत की। कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने जहां ग्रामीणों का मनोरंजन किया, वहीं योजनाओं के लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया को भी सरल भाषा में समझाया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शिका एवं प्रचार सामग्री वितरित कर जागरूक किया। ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम रथ के साथ विशेष सुझाव पेटिका भी रखी गई, जिसमें ग्रामीणों ने अपने सुझाव एवं फीडबैक दर्ज कराए।

पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्राम रथ अभियान सरकार और आमजन के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन रहा है तथा इससे ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने कहा कि सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे योजनाओं की सही जानकारी प्राप्त कर पात्रता अनुसार लाभ लें तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करें। पर्यवेक्षक कोमल राजपूत ने कहा कि ग्राम रथ अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के जरिए योजनाओं की जानकारी सहज एवं सरल रूप में लोगों तक पहुंच रही है, जिससे आमजन में सकारात्मक संदेश जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाकर उन्हें योजनाओं के लाभ से जोड़ना है। ग्राम रथ अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में झुंझुनूं पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, मंडावा पंचायत समिति विकास अधिकारी अमित चौधरी, मौजास सरपंच मुकेश कुमार, शेखसर सरपंच महेश कुमार, तेतरा सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद कुमार, बिरमी सरपंच छगन सिंह, सरपंच सतीश कुमार, पर्यवेक्षक कोमल राजपूत, सीडीपीओ, ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुनीता धायल, बीपीएम शिवकुमार, सहायक कृषि अधिकारी राजेंद्र सिंह, ठेकेदार राजेंद्र सिंह, सहायक विकास अधिकारी राकेश जानू, समाजसेवी अमित मीणा, वेदप्रकाश खीचड़, संदीप मीणा, नरेंद्र कुमार एवं सुरेंद्र कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

गगवाना में भागवत कथा और घटवासन देवी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बना श्रद्धा का विराट केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गगवाना में शुक्रवार को आयोजित श्रीमद् भागवत अमृत वर्षा एवं माँ घटवासन देवी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन श्रद्धा, भक्ति और ग्रामीण सांस्कृतिक वैभव के अभूतपूर्व वातावरण में हुआ। गांव की गलियों से लेकर धर्मसभा स्थल तक 'जय माता दी' और 'राधे-राधे' के जयघोष गूंजते रहे, जबकि हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने आयोजन को धार्मिक आस्था के विराट महाकुंभ का रूप दे दिया। 'धर्मो रक्षति रक्षितः' की सनातनी भावना के बीच आयोजित इस महोत्सव में दौसा सांसद मुरारीलाल मीना, महवा विधायक राजेंद्र मीणा तथा टोडाभीम विधायक घनश्याम महर सहित कई जनप्रतिनिधियों ने शिरकत कर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और धर्मसभा में आशीर्वाद प्राप्त किया।

ग्रामीण परिवेश की सहजता और सनातन संस्कृति की जीवंत झलक के बीच विधायक राजेंद्र मीणा ने स्वयं पंगत में पहुंचकर

श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की। सेवा, समर्पण और संस्कार का यह दृश्य ग्रामीणों के बीच विशेष चर्चा का विषय बना रहा। 'सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं' की भावना को आत्मसात करते हुए उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय भविष्य की कामना की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सद्भाव, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना की सबसे बड़ी धुरी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़कर सामाजिक संतुलन को मजबूत बनाते हैं। दौसा सांसद मुरारीलाल मीना ने भी आयोजन समिति और ग्रामवासियों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सामाजिक समरसता और लोक आस्था की जड़ों को मजबूत करते हैं। उन्होंने पूरे गगवाना ग्राम और आयोजन समिति को भव्य एवं अनुशासित आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि जिस गांव में धर्म, संस्कृति और सामूहिक सहभागिता जीवित रहती है, वहां विकास और सामाजिक विश्वास की नींव भी मजबूत रहती है। कार्यक्रम के दौरान पंच-पटेल, ग्रामीण प्रतिनिधि, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी भक्त मौजूद रहे।

राजोता में राजपूत समाज की बैठक में हुई चर्चा, EWS आरक्षण में विसंगतियां दूर करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । राजोता स्थित स्वामी विवेकानंद संस्थान परिसर में शुक्रवार को राजपूत समाज की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आरक्षण में आ रही विसंगतियों को दूर करने की मांग पर चर्चा की गई। पूर्व सरपंच फतेहसिंह शेखावत की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में ईडब्ल्यूएस आरक्षण से जुड़ी समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। करणी सेना जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह फौजी ने बताया कि 23 मई को सालासर बालाजी मंदिर में एक विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा। इस सभा को सफल बनाने की रणनीति पर भी बैठक में चर्चा हुई। इसके लिए एक विशेष टीम खेतड़ी तहसील पहुंची, जिसने क्षेत्र के लोगों को कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर करणी सेना जिलाध्यक्ष सुरेंद्र

सिंह फौजी, महावीर सिंह, पूर्ण सिंह, कर्नल रामौतार सिंह, अशोक सिंह, पूर्व सरपंच वीर सिंह, कबूल सिंह, दिगपाल सिंह, विजय सिंह, ओमवीर सिंह, किशोर सिंह, अमित सिंह, राजकुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

फर्जी दस्तावेज बनाकर प्लॉट बेचने का मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

कस्बे में फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट बेचने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी सुगान सिंह ने बताया कि भक्तों का मोहल्ला निवासी सुभाष फिटकरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि उसके प्लॉट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे बेच दिया गया। परिवादी के अनुसार वार्ड नंबर 7 निवासी रामचंद्र सैनी, हरिसिंह एवं मुकेश कुमार सैनी ने कथित रूप से फर्जी कागजात तैयार कर प्लॉट को ढाणी पिठोला निवासी राकेश कुमार अहीर को करीब दो लाख रुपए में बेच दिया। इस सौदे में तूफान मीणा को गवाह बनाया गया। मामले की जानकारी मिलने पर परिवादी ने न्यायालय में इस्तगासा पेश किया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी एवं फर्जी दस्तावेज तैयार करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनगणना 2027 : ग्रामीण क्षेत्र के लिए नियुक्त टीम आज होगी रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जनगणना 2027 के अंतर्गत झुंझुनूं तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में डोर-टू-डोर सर्वे कार्य के लिए नियुक्त जनगणना टीमों को शनिवार प्रातः 8 बजे तहसील कार्यालय झुंझुनूं से रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू, चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार झुंझुनूं महेन्द्र सिंह मुंड टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सांख्यिकी विभाग जनगणना प्रकोष्ठ झुंझुनूं के प्रशासनिक अधिकारी विकास भाम्बू, तहसील झुंझुनूं के वरिष्ठ सहायक एवं जनगणना लिपिक विनय कुमार, सहायक जनगणना अधिकारी व्याख्याता इन्द्रपाल सिंह महला, सांख्यिकी विभाग जनगणना प्रकोष्ठ झुंझुनूं की सूचना सहायक निकिता सैनी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

नगर कांग्रेस कमेटी ने सिलारपुर में नवजात बच्चियों का किया सम्मान, 'उमंग उत्सव' अभियान के तहत बांटे उपहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे 'बच्ची के जन्म को उमंग उत्सव' अभियान के तहत बुधवार को नगर अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में ग्राम सिलारपुर में नवजात बच्चियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान नगर कांग्रेस पदाधिकारियों ने बच्चियों के घर पहुंचकर मोमेंटो, खिलौने एवं मिठाइयां भेंट कर परिवारों को बधाई दी। कार्यक्रम में तन्नू देवी की पुत्री सानवी और उसके नाना संजय व नानी वीरमती देवी का सम्मान किया गया। वहीं मोनिका देवी व नरेंद्र कुमार की पुत्री सानवी तथा उसके दादा बलबीर एवं दादी सुमित्रा देवी को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी ने कहा कि बेटियों के जन्म को उत्सव की तरह मनाकर समाज में सकारात्मक संदेश देना इस अभियान

का उद्देश्य है। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कार्यकर्ता कैप्टन धर्मपाल, नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार, जिला महासचिव राजकुमार, मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, सचिव बच्छराज, देवेंद्र कुमार जोशी, इंदर एडवोकेट, बलबीर सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कांग्रेस कमेटी की इस पहल को बेटियों के सम्मान में उठाया गया सराहनीय कदम बताया।

स्वरूप सराय में इंटरलॉकिंग उखाड़ने का वीडियो वायरल, पीड़ित ने लगाया अतिक्रमण का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेश चन्द । खैरथल-तिजारा जिले के मुंडावर उपखंड क्षेत्र के करनीकोट के पास स्थित गांव स्वरूप सराय में इंटरलॉकिंग उखाड़ने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में कुछ ग्रामीण खुदाई कर इंटरलॉकिंग उखाड़ते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो पुराना है, लेकिन वायरल होने के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया है। पीड़ित विक्रम सिंह का कहना है कि विवादित भूमि उनकी खातेदारी की जमीन है, जिसकी रजिस्ट्री एवं बाउंड्री उनके पास मौजूद है। उनका आरोप है कि दूसरे पक्ष के पास किसी प्रकार का वैध दस्तावेज नहीं है। इसके बावजूद कुछ लोगों ने 14 मई 2026 को एसडीएम मुंडावर कार्यालय में प्रार्थना पत्र पेश किया।

विक्रम सिंह के अनुसार श्मशान घाट के लिए 10 फुट का रास्ता पहले से स्पष्ट रूप से मौजूद है, जबकि दूसरी ओर मिट्टी डालकर अतिक्रमण किया गया है। उनका आरोप है कि विपक्षी पक्ष द्वारा ही इंटरलॉकिंग उखाड़कर नुकसान पहुंचाया गया और बाद में अतिक्रमण किया गया। पीड़ित ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही कहा कि यदि किसी कर्मचारी की मिलीभगत सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। विक्रम सिंह ने आरोप

लगाया कि सरपंच ने अब तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई है और इसे राजनीतिक मिलीभगत बताया। पीड़ित की मुख्य मांग है कि उन्हें न्याय मिले तथा इंटरलॉकिंग उखाड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

पिलानी के बिड़ला सार्वजनिक अस्पताल में 'समीर ऑप्टिकल' का भव्य शुभारंभ, जनसेवक मधुसूदन मालानी ने किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

चश्मा और विजन केयर के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले समीर ऑप्टिकल ने अब पिलानी शहर में भी अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। शुक्रवार को पिलानी स्थित बिड़ला सार्वजनिक अस्पताल में संस्थान के नए केंद्र का विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के बीच भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनसेवक मधुसूदन मालानी ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन के अवसर पर समीर ऑप्टिकल के प्रोपराइटर समीर सिंह शेखावत ने बताया कि पिछले 18 वर्षों से चिड़ावा में गुणवत्ता और ग्राहकों के विश्वास पर खरा उतरने के बाद अब पिलानी के उपभोक्ताओं को भी वही विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि बिड़ला सार्वजनिक

अस्पताल में पहले चश्मे की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था और उन्हें बाहर जाना पड़ता था, लेकिन अब अस्पताल परिसर के भीतर ही चश्मे से संबंधित हर प्रकार की सेवा और आधुनिक विजन क्लेरिटी के उत्पाद उपलब्ध होंगे। इस गौरवमयी क्षण के साक्षी बनने के लिए चिकित्सा जगत और शहर के कई गणमान्य लोग पहुंचे। समारोह में डॉ. आर.के. जैन, डॉ. आर.के. खत्री, डॉ. सी.बी. सिंह, डॉ. नरेश सैनी, डॉ. प्रीतम गाडिया और डॉ. आर.पी. शर्मा जैसे वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। इनके अलावा सुधा शर्मा, विनोद सहल, नवीन सोनी, कौशल शेखावत, ऋतु , प्रियांशी शेखावत, को नितेश जांगिड़, सीएस सुनील शर्मा, राजेंद्र शर्मा, मनोज, प्रदीप, नरेंद्र, रोशन लाल सैनी, आशा, प्रीति, विकास, दीपक, सरिता और सुरेश सहित बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद

सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा।

थाईलैंड ओपन: पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

बैंकाक (एजेंसी)। पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमाक फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में मिली थी। हालांकि, शुक्रवार के नतीजे ने जापानी स्टार से उनकी पिछली पांच मुलाकातों में चौथी हार को चिह्नित किया। इससे पहले उनका सबसे हालिया मुकाबला जनवरी में मलेशिया ओपन में हुआ था, जहां यामागुची के चोट के कारण रिटायर होने के बाद सिंधु आगे बढ़ी थीं।

इससे पहले दिन में टॉप सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जापान के छठे सीड ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 41 मिनट में 21-12, 21-13 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन से भिड़ेंगे।

चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमशः 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसार्न (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

सैमसन को मिला पूर्व भारतीय कोच का समर्थन, कहा- भारत की टी20आई कप्तानी के लिए संजू मजबूत दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम की टी20आई कप्तानी के लिए एक दावेदार हैं। उन्होंने इसके पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स (RR) के पूर्व कप्तान के तौर पर उनके अनुभव और बल्ले से उनकी बढ़ती निरंतरता और परिपक्वता का हवाला दिया। दो महीने पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अपने घर पर ICC पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उन्होंने 5 पारियों में कुल 321 रन बनाए जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 'सुपर आठ' के अहम मुकाबले से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले तक, लगातार तीन अर्धशतक शामिल थे।

'The ICC Review' पर संजना गणेशन से बात करते हुए शास्त्री ने कहा, 'अगले (टी20) विश्व कप (2028 में) तक भारत एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है; यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ सालों में सूर्या का प्रदर्शन कैसा रहता है। लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है, क्योंकि वह पहले भी राजस्थान (रॉयल्स) के लिए यह भूमिका निभा चुके हैं।' शास्त्री का कहना है कि सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें टीम की प्लेइंग इलेवन में एक निश्चित जगह दिलाती है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है; अगले दो-तीन सालों में आप संजू से और भी बहुत कुछ देखने वाले हैं।'

सैमसन ने IPL में पांच सीजन राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सीजन भी शामिल है, जब टीम उपविजेता रही थी। इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने

IPL के मौजूदा सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है। इस सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस साल टी20 मैचों में सैमसन ने 21 पारियों में 46.88 की औसत और 177.50 के स्ट्राइक रेट से 797 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

सैमसन की निरंतरता (consistency) को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शास्त्री को अब ऐसा नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है, क्योंकि इस साल उनके खेल में एक नई तरह की परिपक्वता देखने को मिली है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (सैमसन ने) उन सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी। असल में लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था।'

पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा, 'लेकिन इस सीजन में जिस तरह से उसने टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के बाद खेला है, जहां उसने अकेले दम पर भारत को कई मैच लगभग जिता ही दिए थे; बड़े मैच, क्वार्टर-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर 8), सेमी-फाइनल, फाइनल—और जिस तरह से उसने आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली है तथा IPL में अब जो परिपक्वता वह दिखा रहा है, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में टीम की कप्तानी संभालने का एक मजबूत दावेदार बन गया है।'

डेविड बेकहम यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बने

लंदन ।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सर डेविड बेकहम 2026 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। लिस्ट बनाने वालों के अनुसार, बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है।इससे वे खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर हैं, जो पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन के परिवार से पीछे हैं, जिनकी संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार उत्तरी आयरलैंड के रोरी मैक्लरॉय 325 मिलियन पाउंड के साथ सातवें स्थान पर हैं, 37 साल के इस गोल्फर के लगातार दो मास्टर्स चैंपियन बनने के बाद। इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड के को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ यूके में कुल मिलाकर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं।

यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर बेकहम अब अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के को-ओनर हैं, जो 1.45 अरब डॉलर (1.07अरब पाउंड) के साथ मेजर लीग सॉकर की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी होने का अनुमान है।51 साल के बेकहम, जिन्हें नवंबर में नाइटहुड की उपाधि दी गई थी, एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके फैशन लेबल से आई है, जो शुरू में स्पाइस गर्ल्स की मेंबर के तौर पर मशहूर हुई थीं।

कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना

धर्मशाला ः मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की।IPL ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।' इसमें कहा गया है, 'पोलार्ड को IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का उपयोग' से संबंधित है।यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में घटी जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहे।' पोलार्ड ने अपना अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी पंकज धरमानी द्वारा लगाए गए दंड को मान लिया।पोलार्ड पर पहले भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो

आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

मुम्बई ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं।सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है।सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था।इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था।साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है।सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है।पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी।उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है।मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी।सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे।बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये।उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है।अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन ।पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं।ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे।पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विशकप में अब तक वह सफल नहीं हुए है।इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विशकप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है।यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है।इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे।रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा।इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है।विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा।इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है।विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1-0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी।उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे।इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा।ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

हार्दिक पांड्या के भविष्य पर अटकलों के बीच शार्दुल ठाकुर का बड़ा बयान, कहा- कुछ सही हैं और कुछ गलत

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा कि कुछ सही हैं, कुछ गलत। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पांड्या चोटिल होने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (च्यक्र) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे।

ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल है और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए।' हार्दिक पीठ दर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, 'वह रायपुर (10 मई को RCB के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अभ्यास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को ईडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है।'

मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फ्रेंचाइजी के साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनके धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था।'

पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।'

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला ।आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है।इसके बाद भी टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है।प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है।अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं।मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं।मुम्बई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरुर कमजोर हुईं पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टेडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी-शर्ट बॉंटकर उनका दिल जीता।सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की।यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।

महाराष्ट्र में विमान कंपनियों को बड़ी राहत, एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बढ़ी विमान ईंधन कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने एव्हिएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाला वैट (वैट) 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर दर 15 मई 2026 से लागू होगा और 14 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर 11 प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के ईंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर चर्चा की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (29 प्रतिशत), दिल्ली (25 प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले 18 प्रतिशत वैट लिया जा रहा था, जिसे अब घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच शुक्रवार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान ईंधन पर टैक्स कम किया गया है। इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी ?

अमिताभ बच्चन के बाद रणबीर कपूर ने खरीद रामनगरी में जमीन

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या को लेकर बॉलीवुड के कलाकारों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अभिनेता रणबीर कपूर ने भी अयोध्या में 2.42 करोड़ की जमीन का एग्रीमेंट कराया है। रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी। यह जमीन 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप' की परियोजना में ली जा रही है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने पहले ही सरयू तट पर दो जमीनें खरीदीं और एक का एग्रीमेंट कराया है। अब दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने भी सरयू तट पर जमीन खरीदने के लिए एग्रीमेंट कराया है। बताया गया है कि अभिनेता रणबीर के पॉवर ऑफ अटार्नी ने गुरुवार को 198.26 वर्ग मीटर जमीन का एग्रीमेंट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के साथ किया है। यह जमीन सरयू तट के तिहुरा माझा क्षेत्र में ली जा रही है। जमीन की कीमत दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये बताई गई है। लोढ़ा ग्रुप श्रीराम मंदिर से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर नई साइट डेवलप कर रहा है। लोढ़ा ग्रुप के साथ ही उसके आसपास भी लोग जमीन खरीद रहे हैं। उपायुक्त स्टाम्प योगेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में सेलिब्रिटीज का निवेश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अभिनेता रणवीर कपूर के पॉवर ऑफ अटार्नी की ओर से गुरुवार को लोढ़ा ग्रुप के साथ जमीन का एग्रीमेंट कराया है। जमीन की रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी।

पहले ही कहा था...साइकिल से बेहतर कुछ नहीं, पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर अखिलेश का तंज

लखनऊ (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का एलान किया है। इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार की घेराबंदी की है। अखिलेश ने एक्स पर ट्वीट किया, मैंने पहले ही कहा था...... साइकिल से बेहतर कुछ नहीं। बता दें कि अखिलेश ने योगी मंत्रिमंडल में विभाग के बंटवारे में हो रही देरी पर भी योगी सरकार को घेरा है। ट्वीट कर लिखा कि उप्र में मंत्रियों के नाम के बाद, अब क्या उनके विभागों की 'पर्ची' भी ऊपर से आएगी?

पंजाब में ईंधन मूल्य वृद्धि पर विपक्ष हमलावार, आम आदमी की कमर तोड़ने वाला फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अचानक हुई तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने तीव्र राजनीतिक बहस शुरु कर दी है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने केंद्र सरकार पर हमला बोलकर फैसले को आम आदमी की कमर तोड़ने वाला और जनविरोधी बताया है। विपक्ष का आरोप है कि यह वृद्धि किसानों और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक जरूरत की सभी चीजें महंगी होगी। पंजाब के वित्त मंत्री और आप के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह चीमा ने कदम को भाजपा का किसान-विरोधी और जनविरोधी चेहरा बेनकाब करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक ओर ईंधन महंगा करती है और दूसरी तरफ धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सिर्फ 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करती है, जो किसानों की आय पर सीधा वार है। मान सरकार में मंत्री चीमा के अनुसार, एमएसपी बढ़ाकर तुरंत डीजल महंगा करने से किसानों का वाजिब मुआवजा छीना गया है। वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार पर पाखंड का आरोप लगाकर कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी वाहनों के कम इस्तेमाल, कार पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का उपदेश देते हैं, और दूसरी तरफ चुपचाप पेट्रोल-डीजल महंगा कर देते हैं। कांग्रेस नेता वडिंग ने सवाल किया, यही था उस नाटक के पीछे का असली खेल? उन्होंने चेतावनी दी कि इससे किसानों, ट्रक ऑपरेटरों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर ज्यादा मार पड़ेगी, जिससे जरूरत की हर चीज फिर महंगी होगी और अबकी बार, पेट्रोल सौ के पार की स्थिति बनेगी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी बढ़ोतरी को कमरतोड़ बताकर कहा कि इससे पहले से ही महंगाई से जूझ रहे आम आदमी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी इसकी मार झेलनी पड़ेगी, और 72 रुपये की मामूली एमएसपी वृद्धि से उन्हें कोई राहत नहीं मिलेगी।

उन्नाव रेप केस: सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला

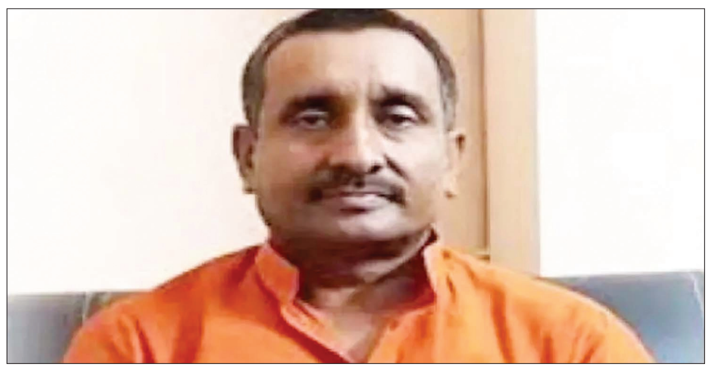

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया हैं, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। इस आदेश पर पीड़िता और आम जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला था, जिसके बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके पहले 29 दिसंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, सेंगर की ओर से वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग नहीं थी। हालांकि, सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील का पुरजोर विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना गलत है कि एक विधायक लोक सेवक नहीं होता। जस्टिस बागची ने भी इस दृष्टिकोण से सहमति जताकर कहा कि उच्च न्यायालय का यह जरूरत से ज्यादा तकनीकी दृष्टिकोण सही नहीं है। सीजेआई ने उच्च न्यायालय से इस बात पर भी फिर से विचार करने को कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को एक्ट) के तहत मुकदमा चलाने के लिए एक विधायक को लोक सेवक माना जा सकता है या नहीं।

दरअसल, 23 दिसंबर 2023 के अपने आदेश में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि सेंगर को पॉस्को एक्ट की धारा 5(सी) (एक लोक सेवक द्वारा यौन शोषण) के तहत दोषी ठहराया गया था, लेकिन एक चुना हुआ प्रतिनिधि भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के तहत लोक सेवक की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सेंगर को जेल में ही रहना होगा और उच्च न्यायालय को मामले की फिर से विस्तृत सुनवाई करनी होगी।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुक्तानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। आशुतोष महाराज ने प्रयागराज में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया था। अवमानना याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, तो याचिकाकर्ता के पास इस अदालत द्वारा दी गई अग्रिम जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन दाखिल करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। इससे पहले न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस अवमानना याचिका पर सुनवाई से स्वयं को यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने मामला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की अदालत को सौंप दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कई सभाएं कर रहे हैं और सार्वजनिक बयान दे रहे हैं, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन है।

ममता के वकील ड्रेस पर बार काउंसिंल प्रमुख बोले- फर्जी लोग घूमते रहते हैं

-बीसीआई ने लाइसेंस पर उठाए सवाल, जांच शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील की ड्रेस पहनकर पेश होने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने उनके वकालत करने के वैध लाइसेंस पर संदेह व्यक्त करते हुए आधिकारिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि कई फर्जी लोग भी सक्रिय रहते हैं, इसलिए इस मामले की पुष्टि करना आवश्यक है।

पूरा मामला 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका से शुरू हुआ। ममता बनर्जी वकील के काले कोट और सफेद बैंड में चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच के सामने पेश हुईं और अपनी पार्टी का पक्ष रखा। बीसीआई चेयरमैन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब वह आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट गई थीं, तब वह वकील की वेशभूषा में नहीं थीं, लेकिन इस बार उन्होंने निर्धारित ड्रेस पहनकर कोर्ट में पैरवी की।

इस घटना के बाद बीसीआई ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को पत्र लिखकर दो दिनों के भीतर ममता बनर्जी के कानूनी प्रैक्टिस के दर्जे की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। परिषद ने मुख्य रूप से उनके एनरोलमेंट नंबर, पंजीकरण की तारीख और वर्तमान स्टेटस की जानकारी तलब की है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया गया है कि चूंकि ममता बनर्जी 2011 से 2026 तक मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद पर रहीं, तो क्या उन्होंने इस अवधि के दौरान नियमों के तहत अपनी प्रैक्टिस निलंबित करने की आधिकारिक सूचना दी थी?

शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बात करें तो ममता बनर्जी के पास जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से कानून (एलएलबी) की डिग्री है। हालांकि, बार काउंसिल के नियमों के अनुसार, किसी भी लाभकारी या संवैधानिक पद पर रहने के दौरान वकालत का लाइसेंस निलंबित रखना अनिवार्य होता है। वर्तमान में बीसीआई इस बात की जांच कर रहा है कि क्या एक दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहने के बाद, बिना प्रक्रिया पूरी किए उनका सीधे वकील के रूप में कोर्ट में पेश होना वैध है या नहीं। राज्य बार काउंसिल की रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में आगे की कानूनी स्थिति साफ होगी।

बसों में बढ़ती आग पर गडकरी का ऐलान, यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुरक्षा

भारत में बनेगी अमेरिका और यूरोप जैसी बसें

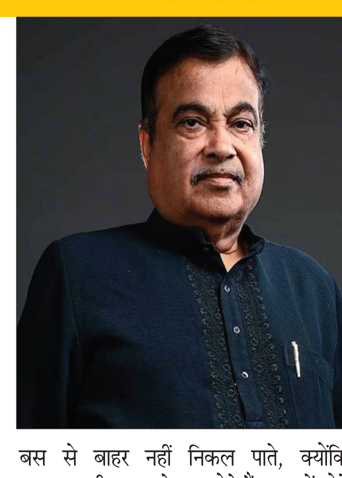

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बसों में आग लगने और सड़क हादसों की लगातार बढ़ती घटनाओं से चिंतित केंद्र की मोदी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश में यूरोप और अमेरिका के स्तर की अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस बसें तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि इन नए सुरक्षा मानकों को केवल नई बसों में ही नहीं, बल्कि पुरानी बसों में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य बस यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने खुद स्वीकार किया कि वर्तमान में देश की कई बसों का डिज़ाइन सुरक्षा के लिहाज़ से कमजोर है। हादसे के वक्त कई यात्री बस से बाहर नहीं निकल पाते, क्योंकि आपातकालीन दरवाजे जाम होते हैं या उसमें लोहे की रॉड जैसी बाधाएं लगी होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बसों का उदाहरण देकर बताया कि उसमें बड़े इमरजेंसी ग्लास और विशेष प्लास्टिक हथौड़े होते हैं, जिससे यात्री शीशा तोड़कर तुरंत बाहर आ सकते हैं। अब भारत में बनने वाली नई बसों में इसतरह के फीचर्स अनिवार्य किए जाएंगे।

केंद्र सरकार के नए सुरक्षा मानकों में बेहतर इमरजेंसी एग्जिट, सीट बेल्ट, अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी लाइट और ड्राइवर की नींद पहचानने वाले सेंसर शामिल होगा। विशेष रूप से, नई स्लीपर बसों को केवल अधिकृत फैक्ट्रियों में ही बनाया जा सकेगा और बिना फायर सेफ्टी जांच के उनका पंजीकरण नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन कर अवैध बदलाव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल की सजा तक हो सकती है।

बता दें कि हाल के महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बसों में आग लगने की कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में पार्किंग में खड़ी बसों में आग लगने से लेकर राजस्थान के उदयपुर में चलती स्लीपर बस का आग का गोला बन जाना, इन हादसों ने लोगों को झकझोर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, डीजल रिसाव, एसी सिस्टम में खराबी, अवैध गैस सिलेंडर और हाई-टेंशन तारों के संपर्क में आना बसों में आग लगने के प्रमुख कारण हैं। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इन कड़े सुरक्षा नियमों के लागू होने के बाद बस यात्राएं पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेंगी।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

-संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा। इस संदेश के मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियां, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए।

राहत की बात यह रही कि विमान ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को सीधे आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों और डॉग स्क्वायड द्वारा विमान की बारीकी से ली गई तलाशी में फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत और इसे भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हैं।

इसी दौरान, हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक अन्य मामले में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। बैंकॉक जाने की तैयारी कर रहे सैयद इस्माइल अली नामक एक यात्री के सामान की जब सीआईएसएफ जवानों ने सामान्य बैगेज स्क्रीनिंग की, तो उसमें संदिग्ध विदेशी करेंसी पाई गई। जांच करने पर बरामद की गई विदेशी मुद्रा की भारतीय कीमत लगभग 11,85,930 रुपये आंकी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने उचित दस्तावेज न होने के कारण पूरी रकम को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी अब इस बात की तफ्तीश कर रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी और इसे अवैध रूप से बैंकॉक क्यों ले जाया जा रहा था।

श्रीलंका का मट्टाला एयरपोर्ट को लेकर भारत की बढ़ी सामरिक चिंताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका सरकार द्वारा दक्षिणी शहर हंबनटोटा के पास स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को विदेशी निवेशकों को सौंपने की नई प्रक्रिया शुरू करने से भारत की चिंताएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले इस हवाईअड्डे की स्थिति चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के बेहद करीब है, जिसके चलते नई दिल्ली इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है। श्रीलंका सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से आगामी 9 जून तक एक्सप्रेशंस ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किए हैं। यह हवाईअड्डा 30 वर्षीय बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल के तहत निवेशकों को सौंपे जाने का प्रस्ताव है, जिसमें तय अवधि के बाद इसे पुनः श्रीलंका सरकार को वापस कर दिया जाएगा।

भारत लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों में चीन समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर सतर्क रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह हंबनटोटा बंदरगाह का पुराना अनुभव है, जहां कर्ज न चुका पाने के कारण श्रीलंका ने 2017 में इस बंदरगाह को 99 साल की लीज पर चीन को सौंप दिया था। वर्ष 2013 में करीब 20.9 करोड़ डॉलर की लागत से बने मट्टाला हवाईअड्डे के लिए भी 19 करोड़ डॉलर का ऋण चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से लिया गया था। आधुनिक रनवे के बावजूद यह एयरपोर्ट कभी भी यात्री और एयरलाइन ट्रैफिक आकर्षित नहीं कर सका और अब तक इसे करीब 13 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो चुका है। ऐसे में यह आशंका गहरा गई है कि कहीं हंबनटोटा पोर्ट की तरह यह हवाईअड्डा भी अंततः चीन के हाथों में न चला जाए।

इससे पहले वर्ष 2024 में इस एयरपोर्ट को भारत और रूस के एक संयुक्त उपक्रम को 30 साल की लीज पर देने की योजना बनी थी, लेकिन कोलंबो में सत्ता परिवर्तन के बाद यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया। अब नई निवेश प्रक्रिया के तहत भारत के पास दोबारा मौका हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हंबनटोटा जैसे रणनीतिक क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की भागीदारी भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा रणनीति के लिहाज से एक बेहद महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

एके एंटनी की सलाह से बदला राहुल गांधी का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चली लंबी माथापच्ची आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अहम भूमिका रही, जिन्होंने राहुल गांधी का रुख बदलने में निर्णायक योगदान दिया।

सूत्रों के अनुसार शुरुआती दौर में राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल के नाम के पक्ष में थे। हालांकि केरल कांग्रेस संगठन, सहयोगी दलों और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच वीडी सतीशन के नाम पर अधिक सहमति दिखाई दे रही थी। सतीशन को जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाला नेता माना जाता है और यही बात अंततः उनके पक्ष में गई। जब मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ने लगे तो कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता एके एंटनी से राय मांगी। सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाने वाले एंटनी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जमीनी स्तर पर वीडी सतीशन को ज्यादा समर्थन हासिल है। बताया जाता है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच इस विषय पर चर्चा हुई, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व ने अपना फैसला बदल लिया। एंटनी की राय के बाद राहुल गांधी भी सतीशन के नाम पर सहमत हो गए।

एके एंटनी का कांग्रेस संगठन में प्रभाव लंबे समय से कायम है। यूपीए सरकार के दौरान वह रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। केरल की राजनीति में भी उनका लंबा अनुभव रहा है और वह राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ओमान चांडी को राज्य की कमान सौंपी गई थी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एंटनी की राय आज भी कांग्रेस नेतृत्व में बेहद अहम मानी जाती है। इसका उदाहरण 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद बनी ÷एके एंटनी कमेटी÷ भी रही, जिसने पार्टी की हार पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगा और इससे हिंदू मतदाताओं के बीच दूरी बनी। माना जाता है कि इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व की लाइन अपनाई थी।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

-दिल्ली की जेलों में अब जेल प्रशासन की मनमानी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि किसी पार्सल को सुरक्षा कारणों से अस्वीकार किया जाता है या उसमें देरी होती है, तो जेल अधीक्षक को इसका ठोस कारण लिखित में दर्ज करना होगा। अब मौखिक आदेशों पर पार्सल नहीं रोके जा सकेंगे। यदि पार्सल में कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाई जाती है, तो उसे तुरंत जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग्स के संदेह की स्थिति में पार्सल का अनिवार्य रूप से एक्सरे स्कैन कराया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रशासन ने आदेश दिया है कि पार्सल में आने वाली हर छोटी-बड़ी वस्तु का विवरण कैदी संपत्ति रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता 19 वर्षीय अमेरिकी सैनिक मारिया सिमोन का शव 12 दिन बाद बरामद

रबात, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए दूसरे अमेरिकी सैनिक का शव मिला है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। 19 वर्षीय मारिया सिमोने कोलिंगटन फ्लोरिडा के टावेरेस की निवासी थीं। वह मोरक्को में एक मनोरंजक पदयात्रा के दौरान एक चट्टान से गिर गई थीं। कोलिंगटन एयर एंड मिसाइल डिफेंस क्रू मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। वह चार्ली बैटरी, 5वीं बटालियन, चौथी एयर डिफेंस आर्टिलरी रेजिमेंट में तैनात थीं। इससे पहले, पिछले सप्ताह पहले सैनिक, केंड्रिक लैमोंट की का शव भी बरामद किया गया था। दोनों सैनिक 2 मई को 'अफ्रीकन लायन' सैन्य अभ्यास के बाद लापता हुए थे। इस घटना से जुड़े विवरणों की अभी भी जांच की जा रही है।

फ्लोरिडा विमान दुर्घटना : पांच घंटे तक फंसे रहे 11 यात्री, अमेरिकी सेना ने बचाया

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका में फ्लोरिडा तट पर हुई विमान दुर्घटना के बाद 11 लोग पांच घंटे तक जीवन रक्षक बेड़े पर फंसे रहे। अमेरिकी सेना ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें सुरक्षित बचाया। मंगलवार को इंजन फेल होने के बाद पायलट ने विमान को वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर पानी में उतारा था। बहामास से फ्रीपोर्ट जा रहे विमान की आपात लैंडिंग के बाद पायलट ने 10 यात्रियों सहित खुद को जीवन रक्षक बेड़े पर पहुंचाया। तीन लोगों को मामूली चोटें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपात परिस्थिति में पांच घंटे तक सभी लोग तूफान के बीच मदद का इंतजार करते रहे। विमान में लगे आपातकालीन संकेतक की मदद से तटरक्षक बल को अलर्ट मिला, जिसके बाद वायु सेना रिजर्व के बचाव दल ने सभी लोगों का रेस्क्यू किया। वायुसेना अधिकारी मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट के प्रयासों को चमत्कारी बताया। पायलट समेत सभी 11 लोगों को मेलबर्न ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। संघीय विमानन प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रहा है।

ब्राजील में चुनाव से पांच महीने पहले फंसे सीनेटर बोल्सोनारो, 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर मांगने के आरोप

ब्रासीलिया , एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में इसी साल अक्तूबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव से पांच महीने सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर एक बैंकर से लाखों रुपये मांगने के आरोप लगे हैं। बुधवार को जेल में बंद बैंकर डैनियल वोरकारो से लाखों रुपये मांगने के आरोप सामने आने के बाद उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि ये गंभीर आरोप राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इंटरसेप्ट ब्राजील ने वोरकारो के वॉइस मैसेज के हवाले से जारी ब्योरे प्रकाशित किए हैं। इनमें बोल्सोनारो ने कथित तौर पर अपने पिता जायर बोल्सोनारो के जीवन पर फिल्म 'द डार्क हॉर्स' की एवज में 61 मिलियन रियाल (करीब 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मांगते सुने गए हैं। वोरकारो ब्राजील में भ्रष्टाचार और घोटाले के एक बड़े केंद्र के रूप में बदनाम हैं। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने किसी अवैध लाभ की पेशकश या पैसा लेने से इन्कार किया है। राजनीतिक सलाहकार थॉमस ट्रॉमन के मुताबिक यह घोटाला बोल्सोनारो के अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। बता दें कि वोरकारो को मार्च में गिरफ्तार किया गया था। नवंबर में देश के केंद्रीय बैंक के सख्त आदेश के बाद बैंको मास्टर बंद हो गया।

नोबेल विजेता नर्गिस मोहम्मदी को लंबे इलाज की जरूरत, स्वास्थ्य गंभीर

तेहरान, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी को महीनों तक चलने वाले लंबे इलाज की आवश्यकता है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने बुधवार को दी। ईरान की जेल में बेहोश होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। एंजियोग्राफी से पता चला कि उनकी दो मुख्य धमनियों में महत्वपूर्ण रुकावट है। 2024 के बाद से उनकी बीमारी बढ़ी है और सेहत काफी बिगड़ गई है। 1 मई को उन्हें जेल से अस्पताल ले जाया गया। लगभग 10 दिन बाद जमानत पर रिहा कर उन्हें तेहरान के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बाहरी तनाव से मुक्त वातावरण में आठ महीने के इलाज की सिफारिश की है। उनका रक्तचाप लगातार घटता-बढ़ता रहता है। ऐसे में फाउंडेशन बिना शर्त तत्काल रिहाई की मांग की है। उन्हें 2023 में नोबेल पुरस्कार मिला था।

मंडावर क्षेत्र में बेखौफ सरपट दौड रहे अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलीयो के काफिले

हादसों के बावजूद भी प्रशासन की अनदेखी पर उठ रहे सवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन का खेल एक बार फिर बेलगाम नजर आने लगा है। सायपुर पाखर बाईपास रोड इन दिनों बजरी माफियाओं के लिए खुला कॉरिडोर बन चुका है, जहां दिनदहाड़े बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली बेखौफ होकर तेज रफ्तार से दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बाईपास मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास रहने वाले परिवारों के बीच हर समय किसी बड़े हादसे का डर बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदार विभाग सब कुछ देखकर भी मौन साधे बैठे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि मंडावर क्षेत्र में रोजाना अवैध बजरी से भरे हुये करीब पंद्रह-पंद्रह ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के काफिले खुलेआम निकल रहे हैं। आरोप है कि इन वाहनों को इतनी तेज गति से दौड़ाया जाता है कि आबादी क्षेत्र में रहने वाले बच्चों और बुजुर्गों का सड़क पर निकलना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार कई बार ट्रैक्टर चालक घरों के सामने से ही रफ्तार का कहर बरपाते हुए गुजरते हैं, जिससे हर समय अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और खनन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि आखिर किसकी शह पर अवैध बजरी परिवहन का यह नेटवर्क सक्रिय है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस और खनन विभाग पर कथित मिलीभगत के आरोप लगाते हुए कहा कि यदि जिम्मेदार विभाग गंभीरता से निगरानी करें तो अवैध बजरी परिवहन पर प्रभावी रोक लगाना कोई बड़ी बात नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब मंडावर क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन को लेकर हालात भयावह बने हों। करीब चार वर्ष पूर्व दौसा से आई टीम ने अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने के लिए नाकाबंदी की थी। उस दौरान होमगार्ड जवान भवानी सिंह जब जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को मंडावर थाने लेकर आ रहा था, तभी बजरी माफियाओं ने पीछा कर उसे चलते ट्रैक्टर से धक्का देकर नीचे गिरा दिया था और कुचलने का प्रयास किया था। गंभीर रूप से घायल हुए भवानी सिंह की बाद में मौत हो गई थी। उस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया था, लेकिन समय बीतने के साथ कार्रवाई की धार भी कमजोर पड़ती नजर आई। इसके बाद भी अवैध बजरी परिवहन से जुड़े हादसे लगातार सामने आते रहे। कुछ माह पूर्व भूड़ा मोड़ के समीप बजरी से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी थी, जिसमें तीन लोगों में से एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने मंडावर थाने के बाहर धरना देकर आरोपित चालक की गिरफ्तारी और अवैध बजरी परिवहन पर रोक लगाने की मांग उठाई थी। वहीं हाल ही में कुछ माह पूर्व भी मंडावर के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप ही यात्रियों से भरी बस को भी एक बजरी से भरे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी थी, हालांकि उस हादसे में बड़ा नुकसान टल गया था। अब लगातार बढ़ती घटनाओं के बीच मंडावर क्षेत्र में लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि यदि प्रशासन ने समय रहते सख्ती नहीं दिखाई तो यह अवैध बजरी परिवहन किसी दिन बड़े जनहानि वाले हादसे का कारण बन सकता है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और खनन विभाग से तत्काल संयुक्त कार्रवाई कर अवैध बजरी परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने, रात्रि और दिन में नियमित निगरानी बढ़ाने तथा तेज रफ्तार वाहनों पर कठोर कार्रवाई की भी मांग उठाई है।

इनका कहना है...

'यदि मंडावर क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन की शिकायत सामने आती है तो उसकी जानकारी जुटाकर खनन विभाग एवं वन विभाग को सूचित किया जाता है। पुलिस विभाग के पास कानून-व्यवस्था सहित अन्य कई जिम्मेदारियां भी रहती हैं, वहीं अवैध खनन और परिवहन की रोकथाम के लिए परिवहन, वन एवं खनिज विभाग भी अधिकृत हैं। पूर्व में भी अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की जा चुकी है और आगे भी समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।'

प्रवीण मीना, थानाधिकारी, मंडावर।

यदि क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन की सूचना मिल रही है तो आवश्यक कार्रवाई के लिए विभागीय टीम मौके पर भेजी जाएगी और नियमानुसार जांच कर उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।'

लक्ष्मीचंद मीना, असिस्टेंट इंजीनियर, खनिज विभाग।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी।

आईएसपीआर ने क्या जानकारी दी : आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन-अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

सेना ने कहा- सात लड़ाके मारे गए : सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया।

इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। पाकिस्तानी सैनिकों का बलूचिस्तान में बड़ा अभियान बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

जर्मनी में डॉक्टर ने 12 साल तक 100 से ज्यादा बच्चों का किया यौन शोषण और रेप

बर्लिन, एजेंसी। हाल ही में जर्मनी से एक बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बर्लिन के पास ब्रैंडनबर्ग में एक पीडियाट्रिशियन पर 100 से ज्यादा बच्चों के साथ दरिंदगी के आरोप लगे हैं। जानकारी के मुताबिक शख्स ने 12 सालों तक कई बच्चों का बलात्कार और यौन शोषण किया। उस पर ऐसे कम से कम 130 मामले दर्ज किए गए हैं।

बुधवार को शहर की एक अदालत में सुनवाई के दौरान डॉक्टर की इस हैवानियत का खुलासा हुआ। 46 वर्षीय इस डॉक्टर पर आरोप है कि उसने अपनी ड्यूटी के दौरान ही इन घिनौनी वारदातों को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने ब्रैंडनबर्ग के क्लीनिक में काम करते हुए मासूम बच्चों को अपना निशाना बनाया। यह सिलसिला दिसंबर 2013 में ही शुरू हो गया था और पिछले साल 5 नवंबर तक वह बच्चों को अपना शिकार बनाता रहा।

जर्मन अखबार 'बिल्ड' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस डॉक्टर के कुकर्मों का पर्दाफाश तब हुआ जब नवंबर 2025 में अस्पताल में एक इलाजरत एक बच्ची की मां को डॉक्टर पर शक हुआ। महिला ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने नवंबर 2025 में उसे गिरफ्तार कर लिया था। जांच के दौरान उसके पास से कई चौंकाने वाली चीजें मिलीं। उसके घर से कई डेटा स्टोरेज डिवाइस भी बरामद हुए, जिससे महिला के आरोप पुख्ता हो गए। आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और मामले की सुनवाई चल रही है।

इससे पहले फ्रांस से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां सर्जन जोएल ले स्काउर्नेक एक सर्जन ने भी कई सालों तक अपने मरीजों को ही अपनी हवस का शिकार बनाया। मई 2025 में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई थी। उस डॉक्टर पर 1989 से 2014 के बीच 298 मरीजों का यौन शोषण करने के आरोप हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों की उम्र 15 साल से कम थी।

फ्रांस के शहर बोर्डो में खड़े क्रूज शिप 'एंबिशन' पर नोरोवायरस संक्रमण की पुष्टि, यात्रियों को उतरने की अनुमति

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र बोर्डो में खड़े क्रूज शिप एंबिशन पर यात्री नोरोवायरस (वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस) की चपेट में आ गए हैं। इस बात की पुष्टि गिरोंद प्रीफेक्चर ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी बयान में की। इसके मुताबिक फिलहाल वायरस के किसी भी गंभीर मामले की सूचना नहीं है। जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं हैं, उन्हें जहाज से उतरने की अनुमति दी गई है। ब्रिटिश कंपनी एंबेसडर क्रूज लाइन द्वारा संचालित 'एंबिशन' मंगलवार शाम बोर्डो पहुंचा था। जहाज पर लगभग 90 वर्षीय एक यात्री की मौत के बाद करीब 1,700 यात्रियों और क्रू सदस्यों को जहाज से उतरने से रोक दिया गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 90 वर्षीय एक यात्री की मौत का संबंध गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे संक्रमण से हो सकता है। जहाज पर करीब 80 लोग पेट संबंधी बीमारीकी चपेट में हैं। बाद में बोर्डो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए महामारी विज्ञान और जैविक परीक्षणों में इस संक्रमण के फैलने की पुष्टि हुई। बयान में कहा गया है कि संक्रमित लोगों को जहाज पर अलग-थलग रखा जाएगा। क्वारंटीन और स्वच्छता संबंधी उपाय जारी रहेंगे। आगे यात्रा जारी रखनी है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद क्रूज ऑपरेटर करेगा। अत्यधिक संक्रामक नोरोवायरस तीव्र गैस्ट्रोएंटेराइटिस का एक सामान्य कारण है और क्रूज शिप जैसे बंद स्थानों में तेजी से फैलने के लिए जाना जाता है। इस बीच हंतावायरस को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने मंगलवार को कहा था कि संक्रमणग्रस्त क्रूज शिप एमवी होंडियस से यात्रियों को निकाले जाने के बाद आने वाले हफ्तों में हंतावायरस के और मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम फिलहाल कम है।

टेड्रोस ने मैड्रिड स्थित मोन्क्लोआ पैलेस में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, 'वायरस की अवधि को देखते हुए आने वाले हफ्तों में और मामले सामने आना संभव है।' अब तक हंतावायरस से जुड़े 11 मामले सामने आए हैं, जिनमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इन 11 मामलों में से नौ की पुष्टि एंडीज वायरस संक्रमण के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो संभावित मामले माने जा रहे हैं।

मैक्रों थप्पड़ विवाद: पत्रकार का दावा- ईरानी अभिनेत्री से चैट देख भड़कीं थीं फ्रांस के राष्ट्रपति की पत्नी

पेरिस, एजेंसी। 2025 में वियतनाम में विमान से उतरते समय ब्रिगिट मैक्रों ने अपने पति इमैनुएल मैक्रों को धक्का दिया था। एक नई किताब के अनुसार, यह घटना इमैनुएल द्वारा एक ईरानी अभिनेत्री को भेजे गए संदेशों के कारण हुई थी। इस घटना ने 2025 में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दंपती ने इसे मजाक बताकर खारिज कर दिया था। ब्रिगिट मैक्रों ने पति इमैनुएल को क्यों मारा धक्का? नई किताब में खुलासा फ्लोरियन टार्डिफ की नई किताब 'अन कपल (प्रेस्क) पारफे' में यह दावा किया गया है। टार्डिफ ने बताया कि ब्रिगिट, इमैनुएल के निर्वासित ईरानी-फ्रांसीसी अभिनेत्री गोल्शिफतेह फराहानी को भेजे गए संदेशों से नाराज थीं। पेरिस मैच पत्रिका के राजनीतिक संवाददाता टार्डिफ का आरोप है कि 73 वर्षीय ब्रिगिट को डर था कि उनके 48 वर्षीय पति अभिनेत्री के लिए उन्हें छोड़ सकते हैं। संबंध केवल भावनात्मक? 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां फराहानी ने पत्रकारों के सवालों पर अफेयर की अफवाहों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उनका संबंध केवल भावनात्मक था। टार्डिफ ने आरटीएल रेडियो को बताया कि संदेशों की सामग्री 'काफी आगे' बढ़ गई थी। इसमें 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। दंपती के एक करीबी व्यक्ति ने टार्डिफ को यह जानकारी दी। फ्रांस के राष्ट्रपति ब्रिगिट की नाराजगी ब्रिगिट ने एक ऐसा संदेश पढ़ा था जो उन्हें कभी नहीं पढ़ना चाहिए था। इसके बाद उनके बीच 'सामान्य से अधिक लंबा और कठोर विवाद' हुआ। पेरिस मैच में प्रकाशित एक अंश के अनुसार, ब्रिगिट को संदेश की सामग्री से उतना दुख नहीं हुआ जितना उसके निहितार्थ से हुआ। उन्हें लगा कि यह एक संभावना की ओर इशारा कर रहा है। प्रथम महिला के एक मित्र ने लेखक को बताया कि उन्हें लगा जैसे उन्हें मिटाया जा रहा है।

दावों का खंडन : हालांकि, ले पेरिसियन के अनुसार, ब्रिगिट के एक करीबी सूत्र ने मार्च 2026 में टार्डिफ द्वारा साक्षात्कार किए जाने पर इन दावों का 'स्पष्ट रूप से खंडन' किया। सूत्र ने जोर देकर कहा कि वह 'कभी अपने पति का फोन नहीं देखती हैं'। टार्डिफ ने जोर देकर कहा है कि 'किताब में सब कुछ तथ्य, तथ्य और केवल तथ्य हैं'। ब्रिगिट ने खुद टार्डिफ को बताया कि उड़ान के दौरान बहुत अशांति थी। उन्होंने कहा कि वह बहुत थकी हुई थीं और सो नहीं पाई थीं।

मोदी जैसा कोई नहीं: पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम, बताया हरित विकास का गारंटर

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है। नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया।

मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक : पीएम मोदी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है।

भारत 2050 तक दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है : सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

भारतीय राजनीति में हिंदू राष्ट्रवाद निर्णायक शक्ति : पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति को बताया महान नेता; जिनपिंग बोले- हम साझेदार, प्रतिद्वंद्वी नहीं

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया की दो महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्ष, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ने बीजिंग में मुलाकात की है। बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति फिलहाल तीन दिन के चीन यात्रा पर हैं और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम वैश्विक मुद्दे पर बात होगी।

जिनपिंग से बोले ट्रंप- आप एक महान नेता हैं : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, 'चीन और अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं बेहतर होने वाले हैं... हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। चीन के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है, आपने जो काम किया है, उसकी मैं सराहना करता हूं। आप एक महान नेता हैं। मैं यह बात हर किसी से कहता हूं। कभी-कभी लोगों को मेरा यह कहना पसंद नहीं आता, लेकिन मैं फिर भी कहता हूं। हमारे सभी महान प्रतिनिधिमंडलों की ओर से, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े, सबसे प्रतिष्ठित और शायद सर्वश्रेष्ठ व्यवसायी शामिल हैं... मुझे कंपनी में दूसरे या तीसरे दर्जे के लोगों की जरूरत नहीं थी। मुझे केवल शीर्ष लोगों की जरूरत थी। वे आज यहां आपको और चीन को सम्मान देने आए हैं। वे व्यापार और व्यवसाय करने के लिए उत्सुक हैं, और हमारी ओर से भी यह पूरी तरह से पारस्परिक होगा। मैं हमारी चर्चा के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह एक बड़ी चर्चा है। जो लोग कहते हैं कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन है, उन्हें शायद ही कभी ऐसा कुछ याद हो'।

हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कहा, 'हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। वास्तव में, हमारे दोनों देशों के बीच किसी भी राष्ट्रपति और राष्ट्रपति के बीच का यह सबसे लंबा संबंध है। और यह मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारा रिश्ता शानदार रहा है। हम एक-दूसरे के साथ अच्छे से रहे हैं। जब भी कोई कठिनाई आई, हमने उसका समाधान निकाला। मैं आपको फोन करता था और आप मुझे। जब भी कोई समस्या हुई, हमने उसका समाधान बहुत जल्दी निकाल लिया और हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर हैं'।

हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं- जिनपिंग : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस दौरान कहा, 'क्या हम मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और दुनिया को अधिक स्थिरता प्रदान कर सकते हैं? क्या हम अपने दोनों देशों के लोगों की भलाई और मानवता के भविष्य के हित में, अपने द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं? ये प्रश्न इतिहास, दुनिया और जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमारे समय के प्रश्न हैं जिनका उत्तर हमें और आपको प्रमुख देशों के नेताओं के रूप में देना होगा... मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों की तुलना में अधिक साझा हित हैं। एक में सफलता दूसरे के लिए अवसर है। और एक स्थिर द्विपक्षीय संबंध दुनिया के लिए अच्छा है। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों को सहयोग से लाभ होगा और टकराव से हानि होगी। हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं। हमें एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में सहयोग करना चाहिए और नए युग में प्रमुख देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने का सही मार्ग खोजना चाहिए।'

जिनपिंग बोले- मैं प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, 'राष्ट्रपति, मैं हमारे दोनों देशों और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख मुद्दों पर आपकी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं, और चीन-अमेरिका संबंधों के विशाल जहाज को सही दिशा देने और उसे आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com